मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 243
रविवार, 23 मार्च 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

नागपुर हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई दंगाइयों से वसूली जाएगी : मुख्यमंत्री फडणवीस

मुंबई, 22 मार्च। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि नागपुर हिंसा के दौरान क्षतिग्रस्त हुई संपत्तियों की कीमत दंगाइयों से वसूली जाएगी और भुगतान नहीं करने पर उनकी संपत्तियों को जब्त कर बेचा जाएगा।

फडणवीस ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण करने के बाद अब तक 104 दंगाइयों की पहचान की गई है और कानून के अनुसार 12 नाबालिगों सहित 92 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

फडणवीस ने कहा कि मध्य नागपुर के इलाकों में सोमवार को हुई हिंसा के कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का निर्धारित दौरा प्रभावित नहीं होगा। गृह विभाग का प्रभार संभाल रहे फडणवीस ने कहा, पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाले दंगाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मेरी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी, जब तक पुलिस पर हमला करने वाले तत्वों का पता नहीं चल जाता और उनसे सख्ती से निपटा नहीं जाता।

उन्होंने कहा कि दंगों में विदेशी या बांग्लादेशी हाथ होने के बारे में टिप्पणी करना अभी जल्दबाजी होगा, क्योंकि जांच जारी है।

उन्होंने कहा, हिंसा का कोई राजनीतिक पहलू नहीं है।

फडणवीस ने कहा कि इस घटना को खुफिया विफलता नहीं कहा जा सकता, लेकिन इसे (खुफिया जानकारी एकत्रित करना) बेहतर तरह से किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि दंगाइयों ने महिला कांस्टेबलों पर पत्थर फेंके थे। मुख्यमंत्री ने कहा, उनके (महिला कांस्टेबल) साथ छेड़छाड़ नहीं की गई।

परिसीमन होना चाहिए, लेकिन निष्पक्ष तरीके से : सुप्रिया सुले

मुंबई, 22 मार्च। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने शनिवार को कहा कि संसदीय क्षेत्रों का परिसीमन किया जाना चाहिए, लेकिन निष्पक्ष तरीके से। राकांपा (एसपी) विपक्षी गठबंधन इंडिया में तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक की सहयोगी है। द्रमुक ने शनिवार को परिसीमन पर राज्यों की अपनी पहली बैठक आयोजित की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि यह एक बैठक से कहीं अधिक है, जिसने एक ऐसे आंदोलन की शुरूआत की है जो निष्पक्ष तरह से परिसीमन करने के लिए देश के भविष्य को आकार देगा।

परिसीमन नवीनतम जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से तय करने की प्रक्रिया है।

सुले ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या प्रबंधन और सामाजिक क्षेत्र में असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा, परिसीमन पर कोई स्पष्टता नहीं है और हम चिंतित हैं। परिसीमन किया जाना चाहिए, लेकिन निष्पक्ष तरीके से। बारामती से लोकसभा सदस्य सुले से जब द्रमुक द्वारा आयोजित संयुक्त बैठक पर उनकी पार्टी के रुख के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हम द्रमुक के संपर्क में हैं। वे आज केवल दक्षिणी राज्यों की बैठक कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी पांच अप्रैल को श्रीलंका की यात्रा करेंगे

नई दिल्ली, 22 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच अप्रैल को श्रीलंका की यात्रा पर आएंगे। राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। समाचार पोर्टल अदादेराना डॉट एलके की खबर के मुताबिक, दिसानायके ने संसद में अपने संबोधन के दौरान मोदी की यात्रा की तारीख की घोषणा की।

विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि मोदी 2024 में राष्ट्रपति दिसानायके की दिल्ली यात्रा के दौरान हुए समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए कोलंबो आएंगे।

राष्ट्रपति ने संसद को यह भी बताया कि पूर्वी बंदरगाह जिले त्रिंकोमाली में सामपुर विद्युत संयंत्र का निर्माण कार्य मोदी की यात्रा के समय ही शुरू होगा। स्वास्थ्य मंत्री नलिंदा जयथिस्सा ने बताया कि श्रीलंका और भारत ने त्रिंकोमाली में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए पिछले महीने एक समझौता पर हस्ताक्षर किए थे।

उन्होंने कहा, ह्लश्रीलंका सरकार और भारत सरकार के बीच त्रिंकोमाली के सामपुर में 50 मेगावाट (चरण 1) और 70 मेगावाट (चरण 2) क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए सहमति बन गई है।

सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण और संचालन सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड और भारत के राष्ट्रीय तापविद्युत निगम लिमिटेड (एनटीपीसी) द्वारा दोनों सरकारों के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में किया जाएगा।

इंडिया कारपेट एक्स्पों में आयेंगे 66 देशों के 425 इम्पोर्टर

- 14-17 अप्रैल तक भारत मंडपम (प्रगति मैदान) में होगा आयोजन
- कारपेट फेयर ग्रांउड में 150 निर्यातक से अधिक भारतीय निर्यातक लगायेंगे रंग-बिरंगी कालीनों की प्रदर्शनी
- कालीन निर्यातकों के लिए वरदान होगा इंडिया कारपेट एक्स्पों : चेयरमैन कुलदीप राज वट्टल

सुरेश गांधी

वाराणसी। कारपेट इक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल (सीईपीसी) के तत्वावधान में 14-17 अप्रैल तक भारत मंडपम (प्रगति मैदान), नई दिल्ली के हाल नं. 01 में इंडिया कार्पेट एक्सपो के 48वें संस्करण का आयोजन होगा। इसके लिए स्पेस की बुकिंग हो गयी है। मकसद : एक ही छत के नीचे हैंडमेड कारपेट सहित अन्य हस्तनिर्मित कालीनों की प्रदर्शनी के जरिए सात समुंदर विदेशी ग्राहको को लुभाना। कालीन निर्यात संबर्धन परिषद् अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल नग बताया कि फेयर का उद्घाटन केंद्रीय कपड़ा मंत्री और भाजपा के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह करेंगे। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकार के विभिन्न सचिव, अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण के अलावा मंत्री व सीईपीसी पदाधिकारी भी भाग लेंगे।

दावा है कि इस फेयर में अमेरिका यूरोप सहित 66 देशों के लगभग 425 विदेशी खरीदार एवं उनके प्रतिनिधि भाग लेंगे। जबकि देश के कश्मीर, जयपुर, पानीपत, बीकानेर, आगरा, भदोही, मिजार्पुर और वाराणसी सहित अन्य कालीन परिक्षेत्रों के 150 से अधिक कालीन निर्यातक अपने स्टालों पर रंग-बिरंगी हस्तनिर्मित कालीनों को प्रदर्शनी लगायेंगे। परिषद के चेयरमैन कुलदीप राज वट्टल ने बताया कि देशभर के कालीन निर्यातकों के लिए यह कारपेट फेयर वरदान साबित होगा। उनका कहना है कि इस फेयर में भारतीय निर्यातकों को एक ही छत के नीचे कालीन से जुड़े हर तरह के हस्तशिल्प उत्पादों को बेचने का मौका मिलेगा। इसके अलावा मेले में उभरते हुए उद्यमियों एवं स्टार्टअप उद्यमियों को खास अवसर दिया गया है। ताकि उनके उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मंच मिल सके।उनका कहना है कि हस्तनिर्मित कालीनों व अन्य फर्श

कवरिंग को बढ़ावा देने के लिए यह आयोजन हर साल किया जाता है। यह कार्पेट एक्सपो एशिया उपमहाद्वीप में सबसे बड़े हस्तनिर्मित कालीन मेलों में से एक है जहां विदेशी खरीदारों को एक छत के नीचे देश में बने हस्तनिर्मित कालीनों का संग्रह मिलता है। इस आयोजन के लिए परिषद ने पहले ही विदेशी खरीदारों को आमंत्रितकिया है।

विदेशी खरीदारों ने अपना पंजीकरण भी करा लिया है। उनका कहना है कि इंडिया कार्पेट एक्सपो ने दुनिया भर के खरीदारों से अपने बढ़ते संरक्षण के साथ खुद को एशिया के सबसे बड़े हस्तनिर्मित कालीन शो के रूप में स्थापित किया है। यह एक्स्पों निर्यातकों के लिए जबरदस्त व्यावसायिक अवसर प्रदान करता है, क्योंकि दुनिया भर से विभिन्न प्रमुख विदेशी हस्तनिर्मित कालीन खरीदार इस एक्सपो में भाग लेते हैं मेले में कुल 66 देशों के खरीदार पहुंच रहे हैं। उनमे अमेरीका, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, तुर्किये, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जापान, ब्राजील, बेल्जियम, इरान, डेनमार्क, कोलंबिया, अफगानिस्तान, अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश, बुल्गारिया, चिली, फिनलैंड, घाना, हंगरी, जापान, जॉर्डन, मैक्सिको, नॉर्वे, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, ताइवान, ट्यूनीशिया आदि देशों के आयातक शामिल हैं।

कैलाश मंसारोवर यात्रा फिर से शुरू करने के तौर-तरीकों पर चर्चा अभी बाकी : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 मार्च। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा इस साल फिर से शुरू करने पर सहमति बन गई है, लेकिन इसके तौर-तरीकों को अब भी तय किया जाना बाकी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान इस तीर्थयात्रा के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने पिछले साल अक्टूबर में रूस के कजान शहर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई बैठक के बाद भारतीय और चीनी पक्ष के बीच विभिन्न स्तरों पर हुए समग्र रचनात्मक संवाद का भी जिक्र किया।

जायसवाल ने संवाददाताओं से कहा, जहां तक भारत-चीन वार्ता का संदर्भ है, जब से कजान में चीन के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बीच बैठक हुई है, तब से विदेश मंत्री और एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) के स्तर पर हमारे बीच रचनात्मक बातचीत हुई है। विदेश सचिव भी जनवरी में चीन गए थे, जहां उन्होंने उनके समकक्ष से मुलाकात की थी।

जायसवाल ने कहा, बातचीत

एवं संवाद जारी है और वे सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कई सैद्धांतिक सहमति या सैद्धांतिक समझ बन गई है और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में हम इन पर आगे बढ़ेंगे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने फरवरी में जोहानिसबर्ग में जी20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान मुलाकात की थी। दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय संबंधों, सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं सौहार्द के प्रबंधन तथा कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली के संबंध में प्रगति की समीक्षा की थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने प्रेस वार्ता में कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, ह्लयह सहमति बन गई है कि यात्रा 2025 में फिर से शुरू होगी। हालांकि, यह फिर से कैसे शुरू होगी और इसके तौर-तरीके क्या होंगे, इस पर अभी चर्चा होनी बाकी है। सरकार हर साल जून से सितंबर के बीच उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रा (1981 से) और सिक्किम में नाथू ला (2015 से) के दो आधिकारिक मार्गों से कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन करती है।

उत्तर प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को मजबूती प्रदान की जा रही है : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 22 मार्च। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक की 61वीं वार्षिक सामान्य निकाय बैठक में कहा कि सहकारिता आंदोलन को मजबूती प्रदान की जा रही है। उन्होंने इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक के जिला सहकारी बैंकों और अन्य शेयर धारकों के खातों में 75 करोड़ रुपये से अधिक लाभांश की धनराशि ऑनलाइन भेजी। योगी आदित्यनाथ ने ग्राहकों को बैंकों की धोखाधड़ी से बचाने के लिए स्मार्ट बैंकिंग गाइड पुस्ताक का विमोचन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के लाभार्थियों को ऋण के प्रतीकात्मक चेक भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय प्रदेश के 16 जिला सहकारी बैंक बंद हो गए थे, उनके लाइसेंस जब्त कर लिए गए थे लेकिन प्रदेश सरकार के समक्ष उन्हें संचालित करने की चुनौती थी।आदित्यनाथ ने कहा, हम सभी प्रधानमंत्री मोदी के आभारी हैं, जिन्होंने वर्ष 2019 में सहकारिता मंत्रालय का गठन कर सहकारिता आन्दोलन को एक नई जान दी ।

ग्लेशियर संरक्षण जल संकट का प्रभावी समाधान

-ललित गर्ग

दुनिया के सामने स्वच्छ जल की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। जल प्रदूषण एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल सबसे जरूरी वस्तु है, जल है तो जीवन है। जल ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जल के महत्व एवं उसकी बढ़ती समस्याओं के समाधान की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये ही प्रतिवर्ष विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। यह कोरा एक वार्षिक उत्सवभर नहीं है, बल्कि आन्दोलन है, जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस वैश्विक जल चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है, जिसमें स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, स्वच्छता और पानी की कमी शामिल है। इस वर्ष की जल दिवस की थीम है ह्लग्लेशियर संरक्षणह्व, जो जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों से दुनिया के जमे हुए जल संसाधनों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देती है। ग्लेशियरों का पिघलना तेज हो रहा है, जिससे जल चक्र बाधित हो रहा है और अरबों लोगों के लिए जीवन के अस्तित्व से जुड़े जल की सुरक्षा को खतरा है।

विश्व जल दिवस संयुक्त राष्ट्र की एक पहल है जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में स्थापित, यह वैश्विक जल मुद्दों को संबोधित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता की याद दिलाता है, खासकर जब दुनिया भर में 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल तक पहुंच नहीं है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं। अरबों लोगों के लिए पिघले पानी का प्रवाह बदल रहा है, जिससे बाढ़, सूखा, भूस्खलन और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अनगिनत समुदाय और पारिस्थितिकी तंत्र विनाश के खतरे में हैं। कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक कटौती तथा सिकुड़ते ग्लेशियरों के अनुकूलन के लिए स्थानीय रणनीतियां आवश्यक हैं। इस वर्ष के विश्व जल दिवस अभियान का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए कार्ययोजना के केंद्र में ग्लेशियर संरक्षण को रखने के लिए मिलकर काम करना है।

दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। औद्योगिक कचरे की वजह से रोजाना पानी के बड़े स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। पीने के पानी या साधारण पानी की कमी के द्वारा होने वाली संभावित समस्या के बारे में आम लोगों को जानने के लिये जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना चाहिये। जल जीव मंडल में पारिस्थितिकी संतुलन को बनाये रखता है। पीने, नहाने, ऊर्जा उत्पादन, फसलों की सिंचाई, सीवेज के निपटान, उत्पादन प्रक्रिया आदि बहुत उद्देश्यों को पूरा करने के लिये स्वच्छ जल बहुत जरूरी है। जल जीवन के लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिन पाँच तत्वों को जीवन का आधार माना गया है, उनमें से एक तत्व जल है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज पूरी दुनिया जल-संकट के साए में खड़ी है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है।

दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये हैं, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश में अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे। ख्यात पर्यावरणविद अनुपम मिश्र तो ह्यअब भी खरे है तालाबह्ल कहते कहते स्वर्गस्थ हो गये। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व जल दिवस की मूल भावना को अपने दैनिक जीवन में उतारकर हर व्यक्ति, हर दिन जल संरक्षण का यथासंभव प्रयास करे। गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरूआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। जल का संकट एवं विकट स्थितियां अति प्राचीन समय से बनी हुई है। इसी कारण राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों में जल संरक्षण के लिये नाड़ी, तालाब, जोहड़, बन्धा, सागर, समंद एवं सरोवर आदि बनाने की प्राचीन परम्परा रही है। राजा-महाराजाओं तथा सेठ-साहूकारों ने अपने पूर्वजों की स्मृति में अपने नाम को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से इन प्रदेशों के विभिन्न भागों में कलात्मक बावड़ियों, कुओं, तालाबों, झालरों एवं कुंडों का निर्माण करवाया। जहाँ प्रकृति एवं संस्कृति परस्पर एक दूसरे से समायोजित रही हैं। राजस्थान के किले तो वैसे ही प्रसिद्ध हैं पर इनका जल प्रबन्धन विशेष रूप से अनुकरणीय हैं। जल संचयन की परम्परा वहाँ के सामाजिक ढाँचे से जुड़ी हुई हैं तथा जल के प्रति धार्मिक दृष्टिकोण के कारण ही प्राकृतिक जलस्रोतों को पूजा जाता है। जल की कमी दुनिया के लिए एक उभरती हुई वास्तविकता एवं ज्वलंत समस्या है। चूंकि जलवायु परिवर्तन और जल की कमी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, इसलिए इनमें से किसी एक मुद्दे का मुकाबला करने के तरीके खोजने से दूसरे की बेहतरी में मदद मिलेगी, इसमें ग्लेशियर संरक्षण जल संकट का प्रभावी समाधान हो सकता है।

क्या भारत बन गया है प्रदूषित हब क्योकि 15 सबसे प्रदूषित शहरों में से 14 भारत में हैं !

अशोक भाटिया

23 मार्च को जलवायु दिवस

जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण मानव द्वारा उत्सर्जित ग्रीनहाउस गैसें हैं। ग्लोबल वार्मिंग पर इनके प्रभाव विनाशकारी हैं और यह बहुत जरूरी होता जा रहा है कि इन उत्सर्जनों को कम किया जाए ताकि मनुष्य ग्रह पर इतना दबाव न डालें । स्थिति इतनी गंभीर है कि अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने अनुमान लगाया है कि अगर हम इसे जारी रखेंगे तो 2050 तक उत्सर्जन में 130% की वृद्धि होगी ।सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले देश इस बात से अवगत हैं कि उन्हें अपने उत्सर्जन को कम करना चाहिए, लेकिन क्योटो प्रोटोकॉल जैसे समझौतों के बावजूद, ये कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन बढ़ता जा रहा है। कमोबेश, दुनिया के लगभग सभी देश वैश्विक प्रदूषण के उच्च स्तर के लिए ज़िम्मेदार हैं, लेकिन पाँच ऐसे देश हैं जो बाकियों से अलग हैं,विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि दुनिया के 15 सबसे प्रदूषित शहरों में से 14 भारत में हैं। देश में 1981 से वायु गुणवत्ता की सुरक्षा के लिए कानून है, लेकिन जीवाश्म ईंधन के जलने में काफी वृद्धि हुई है और इसके परिणामस्वरूप भारत दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषण फैलाने वाले देशों की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर है।

भारत की बात करें तो उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भारत के सबसे अधिक प्रदूषण फैलाने वाले कारखानों का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा है। जबकि कई कारखाने वित्तीय बाधाओं और सरकारी दबाव से प्रभावित हुए हैं, जबकि पर्यावरण की रक्षा के लिए कड़े नियम बनाए जा रहे हैं, 131 शहरों में हवा में सांस लेना जहर खाने जैसा कहा जाता है। 23 मार्च को जलवायु दिवस के मद्देनजर उठाए गए इन गंभीर सवालों पर एक नजर डालते हैं।

भारत का औद्योगिक विकास देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। नए कारखाने, नई सड़कें, नए शहर बन रहे हैं; लेकिन एक ही समय में, प्रदूषण एक समस्या बन गया है। हाल ही की एक रिपोर्ट में पाया गया है कि भारत के लगभग 80 प्रतिशत सबसे अधिक प्रदूषण फैलाने वाले कारखाने दो राज्यों में स्थित हैं। इनमें से कई कारखाने पुराने तरीके से चल रहे हैं और अधिक प्रदूषण पैदा कर रहे हैं। कई बार, कारखाने प्रदूषण को कम करने के लिए निर्धारित नियमों का पालन नहीं करते हैं। समस्याएं जटिल हो जाती हैं। इन राज्यों की आबादी भी तेजी से बढ़ रही है। गंदा पानी और अपशिष्ट हमारे आसपास के वातावरण को प्रदूषित कर रहे हैं, जिससे सांस लेने में कठिनाई, निर्जलीकरण और बीमारियों जैसी समस्याएं हो रही हैं। देश में 3,519 कारखाने और संयंत्र हैं जिन्हें सबसे अधिक प्रदूषण फैलाने वाला उद्योग माना जाता है। ये उद्योग एक कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उन्हें सरकारी नियमों का पालन करना होगा, पर्यावरण को बचाने के उपायों को देखना होगा और साथ ही, उन्हें अपना आर्थिक अस्तित्व बनाए रखना होगा। उद्योग के सामने तीन प्रमुख चुनौतियां हैं। सरकार ने प्रदूषण कम करने के लिए कानूनों को कड़ा कर दिया है। उद्योगों से निकलने वाला धुआं, रसायन और गंदा पानी पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। उद्योगों को नए सरकारी नियमों का पालन करने के लिए अधिक खर्च करना पड़ता है, जिससे उनकी आय प्रभावित होती है। अकेले उत्तर प्रदेश में देश के GPI का 47 प्रतिशत हिस्सा है, जिससे यह भारत में औद्योगिक प्रदूषण का सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। हरियाणा दूसरे स्थान पर है। कुल 1,140 GPI में से 174 ने अपने दम पर काम करना बंद कर दिया है; लेकिन अच्छी बात यह है कि शेष 966 कारखानों में से 957 पर्यावरण मानदंडों का पालन कर रहे हैं, जिसका अर्थ है कि हरियाणा के अधिकांश कारखाने अब प्रदूषण को कम करने की कोशिश कर रहे हैं; हालांकि, छत्तीसगढ़ और गुजरात के अधिकांश कारखाने अभी भी नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में 29 में से आठ कारखाने अभी भी काम कर रहे हैं। जहां तक पूरे भारत की बात है, 81 प्रतिशत (2849) जीपीआई अभी भी चालू है, जबकि 19 प्रतिशत कारखाने स्वयं बंद हैं। आंकड़े बताते हैं कि 97 प्रतिशत जीपीआई कारखाने पर्यावरण नियमों का पालन कर रहे हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, जीपीआई कारखाने नदियों या नालों में सीवेज का निर्वहन करते हैं ।खतरनाक रसायनों का उपयोग करना या ऑक्सीजन के स्तर को काफी कम करना, पर्यावरण को बचाना न केवल केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, बल्कि राज्य सरकारों की भी जिम्मेदारी है।

वर्तमान में, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के माध्यम से, देश भर में औद्योगिक इकाइयों की निगरानी करता है। सरकार ने चेतावनी दी है कि प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को अब जारी करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सभी सकल प्रदूषण उद्योगों की निगरानी एक ऑनलाइन निरंतर प्रवाह निगरानी प्रणाली के माध्यम से वास्तविक समय में की जा रही है। इसका मतलब है कि ये कारखाने नदियों और नालों में गंदा पानी छोड़ रहे हैं। गैर-अनुपालन के लिए 21 कारखानों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं और 73 कारखानों को बंद करने का आदेश दिया गया है। इनमें से 55 उत्तर प्रदेश और पांच हरियाणा में हैं। 2022 से 2024 तक सीपीसीबी ने 268 औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया है। सीपीसीबी ने 17 इकाइयों की पहचान की है जहां प्रदूषण फैलने की सबसे अधिक संभावना है, जिनमें रासायनिक उद्योग, चीनी कारखाने, कपड़ा उद्योग, कागज उद्योग और चमड़ा उद्योग शामिल हैं। दिसंबर 2024 में लोकसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए सरकार ने कहा था कि निरीक्षण के दौरान कुल 129 इकाइयां पाई गईं। जो पर्यावरण नियमों का पालन नहीं करते हैं। इन इकाइयों पर विभिन्न तरीकों से छापे मारे गए। उनमें से पांच इकाइयों को बंद करने का आदेश दिया गया था। 67 लोगों को कारण बताओ नोटिस या तकनीकी नोटिस जारी किए गए। एसपीसीबी को 41 मामलों में निर्देशित किया गया था।

सबसे अधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग ब्रुअरीज चीनी कारखाने, कंपोस्टिंग प्लांट, पेपर बनाने के कारखाने, क्लोर-नमक उद्योग, दवा कारखाने, पेंट उत्पादन, कीटनाशक निर्माण कारखाने, तेल शोधन, चमड़ा उद्योग, पेट्रोकेमिकल उद्योग, सीमेंट उद्योग, थर्मल पावर प्लांट हैं सरकार का कहना है कि लोहा और इस्पात उद्योगों, जस्ता पिघलने वाले कारखानों, तांबा पिघलने वाले संयंत्रों, एल्यूमीनियम गलाने वाले संयंत्रों के लिए प्रदूषण सीमा निर्धारित की गई है और 80 से अधिक उद्योगों के लिए पर्यावरण मानक निर्धारित किए गए हैं। रढछड यह तय करता है कि क्या कारखाना कारखाना चला सकता है और यह भी जांचता है कि कारखाना नियमों का पालन कर रहा है या नहीं। नियमों को तोड़ने वाले किसी भी कारखाने के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाती है। प्रदूषण के स्तर की निगरानी के लिए, सभी GPI को एक ऑनलाइन निगरानी प्रणाली स्थापित करने की आवश्यकता होती है। देश में 131 शहर हैं जहां सांस लेने वाली हवा वास्तव में जहर खाने के समान है। चौंकाने वाली बात यह है कि महाराष्ट्र देश के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में सबसे ऊपर है। उत्तर प्रदेश दूसरे नंबर पर है। इसके बाद तीसरे नंबर पर आंध्र प्रदेश है। सरकार ने इनमें से 19 शहरों के आंकड़े जारी किए हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने लोकसभा के एक सदस्य के सवाल के जवाब में यह बात कही। देश के 24 राज्यों के 131 शहरों में प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है। इनमें से 19 शहर प्रदूषण के अधिक खतरनाक स्तर का सामना कर रहे हैं। इन शहरों को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में निगरानी में रखा गया है। शहर में एक्यूआई के स्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। सरकार ने 2025-26 तक शहर में प्रदूषण 40 प्रतिशत कम करने का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों के अनुसार निर्धारित किया गया है।

अधिकांश प्रदूषित शहरों की आबादी 80 लाख से अधिक है। महाराष्ट्र में 19 सबसे प्रदूषित शहर हैं, इसके बाद उत्तर प्रदेश (17), आंध्र प्रदेश (13), पंजाब (9), मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा (सात प्रत्येक) हैं। अकोला, अमरावती, छत्रपति संभाजीनगर, बदलापुर,चंद्रपुर, जलगांव, जालना, कोल्हापुर, लातूर, मुंबई, नागपुर, नासिक, नवी मुंबई, पुणे, सांगली, सोलापुर, ठाणे, वसई, महाराष्ट्र में विरार और उल्हासनगर सबसे प्रदूषित शहर बन गए हैं। उत्तर प्रदेश में आगरा, प्रयागराज, अनपरा, बरेली, फिरोजाबाद, गजरौला, गाजियाबाद, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, खुर्जा, लखनऊ, मुरादाबाद, वाराणसी और मेरठ प्रदूषित हैं। अनंतपुर, चित्तूर, एलुरु, गुंटूर, कडप्पा, कुरनूल, नेल्लोर, ओंगोल, राजमुंदरी, श्रीकाकुलम, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम और विजयनगर, पंजाब में अमृतसर, डेरा बाबा नानक, डेरा बस्सी, गोविंदगढ़, लुधियाना, नयनंगल और पटियाला उन प्रदूषित शहरों में शामिल हैं जहां सरकार प्रदूषण कम करने की चुनौती का सामना कर रही है।

पृथ्वी पर प्रदूषण को कम करने के लिए नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करना भी जरुरी है। पृथ्वी पर प्रदूषण को कम करने के महत्व के बारे में जागरूकता अभियानों के माध्यम से पैदा की जा सकती है, उदाहरण के लिए, गो ग्रीन अभियान जो नागरिकों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और अपने दैनिक जीवन में पुनर्चक्रण योग्य वस्तुओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। अर्थ ऑवर भी दुनिया भर में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों में से एक है, जिसमें सभी को एक घंटे के लिए सभी लाइट बंद करने की आवश्यकता होती है ताकि इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के उपयोग को कम करके पृथ्वी पर प्रदूषण को कम करने के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके। शिक्षा के माध्यम से जागरूकता पैदा की जा सकती है, उदाहरण के लिए, टेलीविजन पर विज्ञापन और समाचार पत्रों में लेख जो ह्लप्रदूषण को कैसे कम करेंह्व, ह्लप्रदूषण के परिणामह्व आदि जैसे विषयों से संबंधित हैं। इसलिए, नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करके प्रदूषण को कम किया जा सकता है।

सरकार देश के कानूनों को लागू करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जो पृथ्वी पर प्रदूषण को कम करने के तरीकों में से एक है। अपराधियों पर भारी जुमार्ना लगाया जा सकता है जैसे कि जुमार्ना बढ़ाना और जेल की अवधि बढ़ाना, जिससे उन्हें पर्यावरण को प्रदूषित करने से पहले दो बार सोचना पड़ेगा, जो अप्रत्यक्ष रूप से उन लोगों के लिए चेतावनी है जो पर्यावरण को प्रदूषित करने में शामिल नहीं हैं, लेकिन जल्द ही शामिल होने वाले हैं। इसके अलावा, सरकार द्वारा कारखानों पर सख्त निगरानी भी प्रदूषण को कम करने में योगदान दे सकती है क्योंकि वे ही हैं जो हवा में जहरीली गैसों और पानी में हानिकारक अपशिष्ट का निपटान करके पृथ्वी पर सबसे अधिक वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण का कारण बनते हैं। इसलिए, कानूनों को लागू करके प्रदूषण को कम किया जा सकता है। निष्कर्ष में, पृथ्वी पर प्रदूषण को कम करने के कई तरीके हैं जैसे अवधारणा का अभ्यास करना, सड़क पर वाहनों का उपयोग कम करना, नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करना और कानूनों को लागू करना जो मानव जाति और हमारी धरती माँ दोनों के लाभ के लिए बेहतर वातावरण बनाएंगे। इसलिए, हमें अपने जूते पहनने चाहिए और अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए हर काम में और जहाँ भी हम जाते हैं, प्रदूषण को कम करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

नैतिक सिद्धान्तों पर भारी भौतिकवाद

संजीव ठाकुर

यह कहावत एकदम सत्य है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं' यदि सत्य सच्चाई नहीं होती तो मानव जीवन नहीं होता क्योंकि पहाड़, झरना, नदिया,जंगल और प्रकृति द्वारा दिए गए उपहार के रूप में मानव सहित सांसारिक जीव जंतु प्राकृतिक सत्य की उत्पत्ति है और यह भी सत्य है कि मनुष्य अपने लालच,स्पृहा, कामना,कपट के चलते असत्यता झूठ और फरेब का सहारा और वैशाखी लेकर त्वरित लाभ के लिए जीवन के भव सागर में कूद पड़ता है।

परंतु आज की परिस्थितियों में सच्चाई जीवन के हर पहलू से परे होती जा रही है। आज हम स्वयं दिग्भ्रमित हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम क्या नैतिक, संस्कारिक और सांस्कृतिक विरासत दे पाएंगे। आज के इस उत्तर आधुनिक समाज में जहां उपभोक्तावादी संस्कृति की प्रधानता के परिपेक्ष में भौतिक साधनों एवं सुखों के लक्ष्य की प्राप्ति की एकमात्र उपाय रह गई वहां भौतिकवाद तथा शारीरिक सुख की प्राप्ति का प्रचलन पूरे समाज में फैल गया है ।इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए झूठ फरेब एवं षड्यंत्र ने अपना जाल बुन रखा है। प्राचीन काल से हम आध्यात्मिक, संस्कारिक, सांस्कृतिक रूप से बढ़ रहे थे पर विकास की अवधारणा ने एक नया स्वरूप ले लिया है इन परिस्थितियों में समाज के सदस्यों ने झूठ और फरेब का सहारा लेना शुरू कर दिया है' भौतिकवाद सिर चढ़कर बोलने लगा है' व्यक्तिगत एवं सामाजिक आत्मीय संबंधों के मूल्य का तेजी से क्षरण होने लगा है' समाज के मूलभूत सिद्धांत तथा मूल्य गायब हो गए हैं। सामाजिक मूल्यों के खत्म होने की प्रक्रिया में सत्य बोलना कि एक मात्र साधन शेष रह गया है, किंतु वर्तमान समय में सच बोलना एक कठिन तप और तपस्या की तरह ही है। महात्मा गांधी के जीवन में भी उनके अध्यात्मिक दर्शन में सत्य अहिंसा मूल अवधारणा रही है उन्होंने इस सत्य को पहचाना और यह आशा प्रकट की कि यदि व्यक्तियों में सत्य के प्रति आस्था पैदा हो जाए तो सामाजिक नैतिकता का स्व 'स्वयं उच्च स्तर को प्राप्त कर सकता है और सही मायने में सत्य ही मनुष्य के आचरण की ऊंचाई मानी जाती है। सत्य और अहिंसा पर चलने के लिए संयम, मनोबल, आत्मशक्ति और ऊर्जा ही एक बड़ा विकल्प है ।सत्य और अहिंसा स्वाभिमान के प्रतीक है सत्य बोलने वाला मनुष्य स्वाभिमानी होता है दूसरी तरफ असत्य आत्मग्लानि का द्योतक है। कबीर दास जी ने भी सत्य को ईश्वर मानकर कई दोहों की रचना की है।

नकारात्मक व्यवहार सामाजिक स्तर पर किया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण दुर्गुण है क्योंकि इसका प्रभाव पूरे समाज एवं देश पर गंभीर परिणाम देने लगता है। झूठ बोलना और सच को नेपथ्य में धकेलना एक सबसे बड़ी सामाजिक बुराई के रूप में सामने आई है। इसीलिए सामाजिक रूप से झूठ को सबसे बड़ा पाप कहा गया है पाप इस अर्थ में कहा गया है कि यह हमें दिग्भ्रमित कर- के वंचित कर्तव्य एवं रोजमर्रा के आत्मीय व्यवहार से वंचित रखता है और असत्य कथन को समस्त बुराइयों अपराधों की जननी माना जाता है। हम भौतिकवादी मानसिकता से इतने अधिक ग्रसित हो गए हैं की पारिवारिक सदस्यों के बीच हमारे आत्मीय संबंध लुप्त प्राय होते जा रहे हैं और ऐसे बनावटी परिवेश में व्यक्ति तथा समाज अपनी भौतिक मानसिक विलासिता तथा सफलता के दायरे में सिमट कर रह गया है। इसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति अत्यंत उन्मुक्त निसंकोच तरीके से असत्य का सहारा लेने से भी नहीं चूक रहा है। भौतिक सुख साधनों की लालसा में मनुष्य में साधनों की सत्यता तथा शुद्धता फिर भी गहरा समझौता कर समाज में असामाजिक व्यवहार को अपना लिया है जिसके दूरगामी परिणाम भारतीय समाज के लिए अच्छे संकेत नहीं है। आज मनुष्य नैतिकता एवं अनैतिकता की बारीक लकीर हो पहचानने से काफी दूर हो गया है तथा भौतिक विकास के लिए किसी भी साधन को अपनाने से नहीं परहेज करता है। मानव बुद्धि विवेक संपन्न होने के कारण भौतिक सुख सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए हर तरह के उपायों को नए-नए हथकंडे के रूप है उपयोग करने लगा है जिससे समाज मे विसंगतियां पैदा होकर आत्मीय संबंधों की बलि चढ़ गई है। आदिकाल से ऐतिहासिक तौर पर भी मानव की सच्चरित्रता पर सवालिया निशान खड़े होते रहे हैं। समाज ने आपसी संबंधों को संचालित करने के लिए कुछ आदर्श मापदंड का प्रावधान भी रखा है जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सावधान सत्य बोलने का है किंतु मनुष्य अपने सुख साधन बटोरने के लिए सदैव सत्य से परहेज करने लगा जिससे मनुष्य नैतिकता से काफी दूर हो गया एवं सामाजिक मान्यताओं को छिन्न-भिन्न करता आया है। आज भौतिक साधन संपन्नता समाज में सर्वोच्च शिखर पर है और समाजिक व्यक्तिगत आत्मीय संवेदनशील संबंध ताक पर रख दिए गए हैं। नैतिकता सिद्धांतों की परिपाटी नष्ट प्राय होती जा रही है। ऐसे में एक आदर्श समाज की कल्पना बेमानी हो गई है। आज हमें सामाजिक मूल्यों को बचाने आत्मीय संबंधों की रक्षा करने के लिए सत्य तब और संयम का सहारा लेने की आवश्यकता होगी अन्यथा भारतीय समाज को पश्चिमी समाज के रूप में यहां संवेदनशीलता आत्मीयता और मानवीय संबंधों की गरिमा खत्म होने के कगार पर है अपनाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा एवं भारतीय मूल्य संस्कार संस्कृति धीरे धीरे सनातनी समाज से दूर होते जाएंगे और हम हाथ में हाथ धरे देखते रह जाएंगे। आज नैतिकता केवल दूसरों के लिए उपदेश देने की वस्तु बन कर रह गई है। मनुष्य सामाजिक व्यवस्था का स्वयं निमार्ता है किंतु नैसर्गिक रूप से लोभी,आलसी, तथा संग्रहण की प्रवृत्ति वाला हो चुका है ऐसे में कम परिश्रम में ज्यादा लाभ प्राप्त करने के लिए असत्य फरेब एवं जालसाजी का ही सहारा लेकर अनैतिकता का परचम फैलाने में लगा हुआ है। यह भारतीय परिवेश के लिए कतई शुभ संकेत नहीं है।

टीबी के खिलाफ तेज करनी होगी जंग

24 मार्च विश्व टीबी दिवस पर विशेष

-रमेश सर्राफ धमोरा

भारत काफी लंबे समय से टीबी नामक बिमारी से जंग लड़ रहा है। लेकिन अब टीबी को लेकर एक डरावनी स्टडी सामने आई है। जर्नल प्लस मेडिसीन की स्टडी के मुताबिक भारत में अनुमान है कि 2021 से 2040 तक टीबी के 6 करोड़ केस और 80 लाख मौतें हो सकती है। स्टडी के मुताबिक भारत को इस बिमारी के चलते न सिर्फ जान का नुकसान होगा बल्कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को 146 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने की संभावना है। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन यूके के रिसर्चर ने कहा कि इसके चलते कम आय वाले मिडिल क्लास परिवार ज्यादा संकट में है। उनको स्वास्थ्य संबंधी बोझ झेलना पड़ सकता है। जबकि अमीर परिवारों को आर्थिक बोझ झेलना पड़ सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वैश्विक क्षय रोग (टीबी) रिपोर्ट 2024 जारी किया है। जिसमें 2024 में दुनिया की 99 प्रतिशत से अधिक आबादी और टीबी के मामलों वाले 193 देशों के डाटा की रिपोर्ट को शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट वैश्विक, क्षेत्रीय और देश स्तर पर टीबी महामारी एवं रोग की रोकथाम, निदान और उपचार में प्रगति का व्यापक व अद्यतन मूल्यांकन प्रदान करती है। रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष के अनुसार 2023 में भारत में लगभग 25.2 लाख टीबी के मामले सामने आये थे। जो 2022 में 24.2 लाख मामलों से अधिक थे। भारत और इंडोनेशिया में वर्ष 2021 से 2023 तक टीबी के वैश्विक मामलों में कुल वृद्धि 45 प्रतिशत थी। दुनिया के पांच देश भारत, इंडोनेशिया चीन, फिलीपींस, पाकिस्तान में टीबी के कुल वैश्विक मरीजो के 56 प्रतिशत थे।

भारत में वर्ष 2015 से 2023 के मध्य टीबी के मामलों में 18 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वर्ष 2025 तक 50 प्रतिशत कमी के लक्ष्य से बहुत कम है। इसी प्रकार टीबी से संबंधित मौतों में 75 प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले केवल 24 प्रतिशत की कमी आई है। वैश्विक स्तर पर 2023 में 82 लाख लोगों में टीबी के नए मामलें देखे गए। यह वर्ष 1995 में डब्ल्यूएचओ द्वारा निगरानी शुरू करने के बाद से सबसे अधिक संख्या है। 2023 में टीबी कोविड-19 को पीछे छोड़ते हुए पुनः प्रमुख संक्रामक रोग बन गया है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है। जो संक्रमित लोगों के खांसने, छींकने या थूकने से फैलती है। यह आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करती है। लेकिन यह शरीर के किसी भी हिस्से में फैल सकती है। इस बीमारी का इलाज तो है बशर्ते लोग नियमित रूप से दवा लें। हर वर्ष 24 मार्च को पूरे विश्व में टीबी (विश्व क्षय रोग) दिवस मनाया जाता है। इस दिन टीबी यानि तपेदिक रोग के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है। भारत में बहुत बड़ी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन गुजार रही है। देश में जब तक गरीबी दूर नहीं होगी तब तक टीबी पर पूर्णतया रोक नहीं लग पायेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में स्वास्थ्य सेवा का बड़ा ढांचा कमजोर है और स्वास्थ्य कर्मचारियों की भारी कमी है। इसके अलावा बीमारी का शुरूआती दौर में पता लगने में दिक्कत और सही इलाज का मिलना चुनौती बनी हुई है। विश्व में भारत पर टीबी का बोझ सबसे अधिक है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में टीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर लिया गया है। इसका उद्देश्य टीबी के नए मामलों में 95 प्रतिशत की कमी करना और टीबी से मृत्यु में 95 प्रतिशत की कमी लाना है। देश में जिन टीबी रोगियों का इलाज चल रहा है उन्हें सरकार द्वारा 500 रुपए प्रतिमाह नगद सहायता के रूप में दिए जा रहें हैं। टी.बी माइक्रोबैक्टीरियम नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है। यह बैक्टीरिया फेफड़ों में उत्पन्न होकर उसमें घाव कर देते हैं। यह कीटाणु फेफड़ों, त्वचा, जोड़ों, मेरूदण्ड, कण्ठ, हड्डियों, अंतडियों आदि पर हमला कर सकते हैं। दुनिया में छह-सात करोड़ लोग इस बीमारी से ग्रस्त हैं और हर वर्ष 25 से 30 लाख लोगों की इससे मौत हो जाती है। दुनिया में बीमरियों से मौत के 10 शीर्ष कारणों में टीबी को प्रमुख बताया गया है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में रोजाना करीब आठ सौ लोगों की मौत टीबी की वजह से हो जाती है। भारत में टीबी के करीब 10 प्रतिशत मामले बच्चों में हैं। लेकिन इसमें से केवल छह प्रतिशत मामले ही सामने आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि भारत में टीबी के केवल 58 प्रतिशत मामले ही दर्ज होते हैं। एक तिहाई से ज्यादा मामले या तो दर्ज ही नहीं होते हैं या उनका इलाज नहीं हो पाता है। इसका बड़ा कारण यह है कि गैर सरकारी सेक्टर के अस्पतालों में टीबी को दर्ज किए जाने का अब तक कोई सिस्टम नहीं बना पाना है। संगठन का ऐसा अनुमान है कि ऐसे तकरीबन दस लाख और टीबी मरीज देश में है जिन्हें पहचाना ही नहीं जा सका है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि भारत टीबी से निपटने को लेकर गंभीर नहीं है। अपनी ग्लोबल टीबी रिपोर्ट में उसने हमारे आंकड़ों पर भी सवाल उठाया है। उसके मुताबिक भारत ने टीबी के जितने मामले बताए हैं। वास्तव में मरीज उससे कहीं ज्यादा हैं। भारत के गलत आंकड़ों की वजह से इस रोग का विश्वस्तरीय आकलन सही ढंग से नहीं हो पाया है। पिछले कुछ समय से टीबी के कई नए रूप सामने आ गए हैं। कई मानसिक बीमारियां टीबी का बड़ा कारण बनकर उभरी हैं। इस बीमारी को लेकर हमे नजरिया बदलने की जरूरत है। सरकार को परम्परागत तौर-तरीके से बाहर निकलना होगा। टीबी से निपटने के लिए सरकार को निजी क्षेत्र के साथ मिलकर व्यापक योजना बनानी होगी।

टीबी का संबंध पोषण से जुड़ा रहता है। भूखे पेट रोगों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए टीबी की बीमारी के शिकार गरीब तबके के लोग ज्यादा होते हैं। पोषण से मतलब संतुलित भोजन से माना जाना चाहिए। इसलिए यहां पर केवल टीबी का इलाज मुहैया करा भर देने से टीबी का खात्मा संभव नहीं है। यह तब मुमकिन होगा जबकि देश में लोगों को रोग प्रतिरोधक ताकत बनाए रखने के लिए संतुलित आहार भी मिले।

कुछ वर्षों पूर्व तक टीबी की बीमारी को लाईलाज रोग माना जाता था। टीबी के मरीजो को घर से अलग रखा जाता था व उससे अछूत जैसा व्यवहार किया जाता था। मगर अब टीबी की बीमारी का देश में पर्याप्त उपचार व दवा उपलब्ध है। टीबी के रोगियों द्वारा नियमित दवा के सेवन से नो माह में ही टीबी का रोगी पूर्णतः स्वस्थ हो जाता है। सरकार को टीबी रोग की प्रभावी रोकथाम के लिये बजट में स्वास्थ्य सुविधओं के विस्तार के लिये और अधिक राशि का प्रावधान करना होगा। टीबी के प्रति लोगों को सचेत करने के लिये देश भर में टीबी जागरूकता कार्यक्रम चलाने होंगे। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केन्द्रो की संख्या बढ़ाकर ही टीबी पर काबू पाया जा सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक सरकार को इस क्षेत्र में एक ठोस अभियान शुरू करना होगा और साथ ही यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस जानलेवा बीमारी पर काबू पाने की राह में पैसों की कमी आड़े नहीं आए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो इससे मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी होगी।

सरकार ने टीबी रोग को मिटाने के लिये जो प्रतिबद्धता जतायी है उस पर तुरन्त अमल करने की जरूरत है। विश्व क्षयरोग दिवस 2025 की थीम है हां हम टीबी को समाप्त कर सकते हैं। प्रतिबद्ध हों, निवेश करें, परिणाम दें। यह टीबी को समाप्त करने के लिए चल रहे प्रयासों पर विचार करने और स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करने का अवसर प्रदान करता है। जिसमें दवा प्रतिरोधी टीबी के बढ़ते खतरे का मुकाबला करना भी शामिल है।

अनुदान की मांग को लेकर बेमियादी आंदोलन कर रहे शिक्षकों से प्रा. प्रकाश सोनवणे ने की भेंट

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई के आजाद मैदान में बिना अनुदान वाले माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों का बेमियादी आंदोलन जारी है। 5 मार्च से हजारों की संख्या में शिक्षक और शिक्षिकाएं सरकारी अनुदान की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। इनकी प्रमुख मांग है कि 10 अक्टूबर 2024 को हुई मंत्रिमंडल बैठक के निर्णय के अनुसार शासनादेश को तत्काल लागू किया जाए और अनुदान के लिए निधि जारी की जाए।

कांग्रेस शिक्षक विभाग के अध्यक्ष प्रा. प्रकाश सोनवणे ने 21 मार्च को आंदोलनकारी शिक्षकों से मुलाकात कर उनकी मांगों को जायज ठहराया और सरकार से तत्काल निर्णय लेने की अपील की। प्रा. प्रकाश सोनवणे पिछले 15 वर्षों से बिना अनुदान वाले शिक्षकों के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। 2014 में जब कांग्रेस सरकार सत्ता में थी, तब तत्कालीन मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के आदेश से ₹कायम विनाअनुदानित₹ से ₹कायम₹ शब्द हटा दिया गया था। इसके बाद से ही शिक्षकों को अनुदान दिलाने की लड़ाई और तेज हो गई। प्रा. सोनवणे ने यह भी बताया कि पूर्व शिक्षामंत्री वर्षा गायकवाड़ ने शिक्षकों को अनुदान दिलाने के लिए काफी प्रयास किए थे। लेकिन उस समय के वित्त मंत्री अजित पवार ने यह कहकर विरोध किया कि अगर शिक्षकों को अनुदान मिला तो इसका क्रेडिट कांग्रेस को मिलेगा। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

विरार पूर्व में राजन नाईक ने किया नए तहसील कार्यालय का उद्घाटन

विरार(उत्तरशक्ति)। विरार पूर्व में तहसील कार्यालय के नये भवन का उद्घाटन नालासोपारा विधायक राजन नाईक द्वारा किया गया। इससे विभिन्न विकास कार्यों में तेजी आएगी। सरकारी दस्तावेज प्राप्त करने सहित अन्य कार्य अब आसानी से हो सकेंगे। उक्त अवसर पर कलेक्टर गोविंद बोडके, वसई तहसीलदार अविनाश कोष्टी, पीडब्ल्यूडी अधिकारी संजय यादव, विरार पूर्व मंडल अध्यक्ष नारायण मांजरेकर एवं सभी पदाधिकारी एवं नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

श्री साईराज को ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लि. द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्री साईराज को ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड की ओर से पालघर जिले के बोईसर शहर से सटे एमआईडीसी तारापुर क्षेत्र के सालवड ग्राम पंचायत अंतर्गत शिवाजी नगर में स्थित लक्ष्मी प्लास्ट, श्री साईराज को ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लि. के कार्यालय पर शुक्रवार 21 मार्च 2025 को आयोजित आपसी प्रेम व सौहार्द का प्रतीक स्नेह होली मिलन कार्यक्रम हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हो गया। बतादें कि श्री साईराज को ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लि. द्वारा लघु बचत ज्यादा मुनाफा के साथ सोसाइटी के जरूरतमंद सदस्यों को वित्तीय सहायता के तौर पर आसान व रियायती दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। श्री साईराज को ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लि. द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में सोसाइटी के चेयरमैन व प्रधान संचालक गिरजेश आर सिंह ने क्षेत्र तमाम धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को तिलक लगाकर और गले लगाते सभी लोगों ने एक दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सोसाइटी की ओर से सभी उपस्थित जनों के लिए मिष्ठान, पकवान, ठंडई व चटपटे खाद्य पदार्थ के पुख्ता इंतजाम किए गए थे जिसका सभी उपस्थित जनों ने खूब लुफ्त उठाया।

गोदरेज एग्रोवेट, डीईआई लैब और आईआईएमए रिपोर्ट कृषि कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी 64.4% है, फिर भी 6%-10% महिलाएं शीर्ष कृषि कंपनियों में कार्यरत हैं

मुंबई/पटना। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट), एक विविध अनुसंधान एवं विकास-केंद्रित खाद्य और कृषि-व्यवसाय समूह, ने भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) और गोदरेज डीईआई लैब के सहयोग से अपने दूसरे महिला कृषि शिखर सम्मेलन में कृषि व्यवसाय में महिलाएं अवसर और चुनौतियां रिपोर्ट लॉन्च की। रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत के कृषि कार्यबल में 64.4 प्रतिशत महिलाएं हैं, फिर भी केवल 6 प्रतिशत से 10 प्रतिशत ही शीर्ष कृषि और कृषि-संबंधित कंपनियों में कार्यरत हैं। इसमें कृषि व्यवसाय में समावेश, नवाचार और न्यायसंगत विकास को बढ़ावा देने के लिए कार्रवाई योग्य उपायों की रूपरेखा दी गई है। रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज एग्रोवेट के प्रबंध निदेशक बलराम सिंह यादव ने कहा, गोदरेज एग्रोवेट में, हम मानते हैं कि कृषि व्यवसाय का भविष्य शिक्षा, कार्यस्थल समावेशिता और नेतृत्व विकास के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने में निहित है।

भाजपा सरकार कोंकण के तेल, खनिज और अन्य संसाधनों को अडानी-अंबानी को देना चाहती है : हर्षवर्धन सकपाल

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार कोंकण के सभी तेल क्षेत्र और खनिज सम्पदा को अडानी-अंबानी जैसे उद्योगपतियों को देना चाहती है। केंद्र और महाराष्ट्र की भाजपा सरकार आम आदमी के कल्याण के लिए काम करने के बजाय धार्मिक भावना भड़काकर समाज का ध्रुवीकरण करने में व्यस्त है।₹ यह आरोप महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल ने वाडा में कांग्रेस की बैठक से पहले आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से बात करते हुए लगाया। ज्ञात हो कि महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनने के बाद कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने में जुटे महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल ने पहली बार पालघर जिले के वाडा का दौरा किया। श्री सकपाल ने आगे कहा कि कृषि उपज का उचित मूल्य नहीं मिलने और आवश्यक बीज और खाद नहीं मिलने से कर्जबाजारी किसानों की हालत बहुत खराब हो गई है। श्री सकपाल ने आगे कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण बेरोजगारी अपनी चरम सीमा पर पहुंच गई है ।उन्होने आगे कहा कि भाजपा सरकार के पास महाराष्ट्र के विकास के लिए पैसे नहीं हैं और लाड़ली बहिन योजना के लिए फंड की कमी के कारण लाखों लाड़ली बहिनों के नाम इस योजना से काटे जा रहे हैं। इस योजना को लागू करने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं है, इसलिए राज्य सरकार आदिवासी विकास विभाग और सामाजिक विभाग की निधि को घुमाकर लाडली बहिन योजना में उपयोग करके आदिवासी और दलित समुदाय के विकास को रोककर उसे नुकसान पहुंचा रही है। श्री सकपाल ने आशंका जताई कि इस योजना में भारी घोटाला हुआ है। कांग्रेस के इस कार्यकर्ता मिलन समारोह में कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश पाटिल, किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पराग पस्टे,

प्रदेश महासचिव विजय पाटिल,पालघर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रफुल पाटिल, प्रदेश सचिव व पालघर जिला प्रभारी ठाकुर यशवंत सिंह, प्रदेश सचिव मनीष गणोरे, सहकारिता विभाग कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष व टीडीसी बैंक संचालक नीलेश भोईर, प्रदेश आदिवासी विभाग कांग्रेस के अध्यक्ष बलवंत गावित, कांग्रेस सेवादल के प्रदेश सचिव लोकेश पाटिल,प्रदेश महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष संगीता धोंडे, सोशल मीडिया की प्रदेश प्रभारी सीमा पोतदार, प्रवक्ता अविश राऊत, जिल्हा महिला कांग्रेस अध्यक्षा सरयू औसरकर, पालघर जिला कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी रुफी भूरे, मधुकर चौधरी, अरविंदसिंह क्षत्रिय, सिकंदर शेख, रामप्रकाश निराला, संदीप मेने, कैलास पाटिल,अशोक पाटिल, एस.आर. शेट्टी,आशिफ मेमन,अशद चुनावाला,भरत पालवी, विकास घरत,प्रकाश संखे, रामनरेश यादव,रविश नाचन, तालुका कांग्रेस अध्यक्ष दिलीप पाटिल, राजेश अधिकारी, राम पाटील तथा संतोष मोरे सहित कांग्रेस के विभिन्न सेल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कल्याण अटाली इलाके में दिल दहलाने वाली घटना घर में घुसकर बुजुर्ग महिला की हत्या, आभूषण चोरी

- खड़कपाड़ा थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है, आरोपी की तलाश जारी है

कल्याण। कल्याण के पास अटाली इलाके में हुई इस घटना से सनसनी फैल गई है.

60 साल की महिला घर में अकेली थी, इसका फायदा उठाकर चोर ने घर में घुसकर उसका मंगलसूत्र और गहने छीन लिए. महिला ने विरोध किया तो उस पर हमला कर दिया. इस हमले में बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक महिला का नाम रंजना पाटकर है. पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है. 60 वर्षीय महिला रजनी पाटकर कल्याण के पास अटाली इलाके में रहती थीं, कल उनके पति और बेटा काम के लिए बाहर गए थे, जब वे शाम को घर लौटे, तो उन्होंने रजनी का शव खून से लथपथ पाया। यह देखकर दोनों हैरान रह गए। जैसे ही उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी, खड़कपाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में पता चला कि महिला के शरीर से गहने चोरी हो गए थे। वह घर पर अकेली थी, इसलिए अज्ञात इसाम पाटकर घर में घुस गया। रजनी से मंगलसूत्र समेत करीब एक लाख रुपये के आभूषण लूट लिए। जब रजनी ने विरोध किया तो उसने उस पर हमला कर दिया और इस हमले में रजनी की मौत हो गई। पुलिस ने रजनी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है.

इंद्रिया, आदित्य बिरला ज्वैलरी ने नवी मुंबई में अपने मेगा स्टोर का शुभारंभ किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आदित्य बिरला ग्रुप के ज्वैलरी ब्रांड, इंद्रिया ने आज नवी मुंबई के सीवुड्स में अपने तीसरे स्टोर के शुभारंभ के साथ मुंबई में अपनी मौजूदगी का विस्तार किया। यह नया स्टोर, नेक्सस सीवुड्स मॉल में ज्वैलरी का सबसे बड़ा आउटलेट है, जो पारंपरिक कारीगरी को मॉडर्न डिजाइन के साथ खूबसूरती से जोड़ता है, तथा ग्राहकों को अनोखे एवं व्यक्तिगत गहनों की खरीदारी का अनुभव प्रदान करता है। हाल ही में हैदराबाद में एक हफ़्ते के भीतर दो नए स्टोर्स की शुरूआत के तुरंत बाद इस स्टोर को लॉन्च किया गया है, जिससे देश के दक्षिणी हिस्से में इंद्रिया की उपस्थिति और मजबूत होगी। बड़े ही सुंदरता और उम्दा तरीके से डिजाइन किए गए इस स्टोर में एक एक्सक्लूसिव कारीगरी रूम है। यह स्टोर इंद्रिया द्वारा तैयार किए गए गहनों के पीछे छिपी कला की बारीकियों को सामने लाते हुए एक व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करता है।

बीते कुछ सालों में नवी मुंबई में स्थित सीवुड्स ने शानदार प्रगति की है, साथ ही इस क्षेत्र में कई नए व्यवसाय, रिटेल आउटलेट्स तथा रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स उभरकर सामने आ रहे हैं। बढ़ती आबादी के साथ-साथ व्यावसायिक स्थानों के विस्तार की वजह से सीवुड्स एक जिंदादिल और आत्मनिर्भर कम्युनिटी में बदल दिया है, और इसी वजह से यह इंद्रिया की मौजूदगी के विस्तार के लिए सबसे उपयुक्त स्थान बन गया है।

जुलाई के महीने में लॉन्च के बाद से इंद्रिया ने देश भर में 17 स्टोर्स के

साथ बड़ी तेजी से अपनी मौजूदगी का विस्तार किया है, जिनमें से दिल्ली में पाँच स्टोर्स, मुंबई, पुणे, जयपुर, अहमदाबाद और हैदराबाद में दो-दो स्टोर्स तथा इंदौर और सूरत में एक-एक स्टोर शामिल हैं। खास तौर पर तैयार किए गए 16,000 से ज्यादा गहनों और 5,000 से ज्यादा एक्सक्लूसिव डिजाइन के साथ, गहनों के पारखी लोगों के लिए इंद्रिया का ये कलेक्शन सचमुच बेमिसाल है। बेहतरीन गहनों और अनुरूप सेवाओं को ज्यादा-से-ज्यादा ग्राहकों तक पहुँचाना ही इस ब्रांड का विजन है, जिसे इस विस्तार से और बल मिला है। इस मौके पर इंद्रिया के सीईओ,संदीप कोहली ने कहा, मुंबई शहर पुराने जमाने के आकर्षण के साथ-साथ नए जमाने की चमक-दमक का बेजोड़ संगम पेश करता है। ये शहर बेहतरीन कारीगरी और हमेशा कायम रहने वाली खूबसूरती की कद्र करता है, और इसी वजह से यह इंद्रिया के इस नए स्टोर के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। मुंबई में अपने तीसरे स्टोर के साथ, हम विरासत और इनोवेशन को अहमियत देने वाले इस शहर में अपने सिग्नेचर डिजाइन, बेमिसाल ग्राहक सेवा और क्षेत्रीय स्तर की असली कारीगरी को पेश करना जारी रखेंगे।

सीमा वखारिया ने वुमन इन कंस्ट्रक्शन 2025 के प्रभावशाली पैनल में नेतृत्व और विरासत पर चर्चा की

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कंस्ट्रक्शन ईआरपी सॉफ़्टवेयर प्त pedeon गर्व के साथ घोषणा करता है कि इसकी चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (सीओओ) सीमा वखारिया ने वुमन इन कंस्ट्रक्शन 2025 द्वारा कंस्ट्रक्शन वीक के प्रतिष्ठित पैनल डिस्कशन में भाग लिया। कंस्ट्रक्शन और रियल एस्टेट सेक्टर में डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने वाली अग्रणी नेताओं में से एक के रूप में, सीमा वखारिया ने 'आपकी सुपरपावर क्या है? वह विरासत जिसे आप संजोना चाहते हैं' विषय पर अपने विचार साझा किए। कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी सेक्टर में 18 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, उन्होंने डिजिटल परिवर्तन की प्रबल

वकालत की है और ऐसे नवाचारों को बढ़ावा दिया है जो उद्योग में कुशलता, स्थिरता और समावेशिता को बढ़ाते हैं।

पैनल चर्चा के दौरान, सीमा वखारिया ने कहा, मेरी सुपरपावर मेरी अटूट उपस्थिति है। कार्यस्थल पर, मैं पूरी एकाग्रता और उद्देश्य के साथ नेतृत्व करती हूँ, और घर पर मैं पूरी तरह से मौजूद रहती हूँ। असली ताकत मल्टीटास्किंग में नहीं, बल्कि हर पल में पूरी तरह से समर्पित रहने में है। मैं एक ऐसी विरासत बनाने का प्रयास करती हूँ जो प्रभावशाली हो जहाँ नेतृत्व उद्देश्यपूर्ण हो, संतुलन बना रहे, और हर पहलू में पूरी प्रतिबद्धता के साथ उपस्थित रहने का महत्व हो। सीमा वखारिया के नेतृत्व में, pedeon ने अपनी क्लाउड-आधारित सास प्लेटफॉर्म को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है और अपनी पहुंच जीसीसी, यूके, आयरलैंड और भारत तक बढ़ाई है। उनकी रणनीतिक दृष्टि और तकनीकी नवाचारों के प्रति प्रतिबद्धता उद्योग में नए मानक स्थापित कर रही है।

मनसे ने मूलभूत समस्याओं को लेकर बोईसर ग्रामपंचायत को सौंपा ज्ञापन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर पूर्व के लोखंडीपाड़ा इलाके में नागरिकों को सड़क और स्ट्रीट लाइट की भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर रोशनी की उचित व्यवस्था न होने के कारण अंधेरे में दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इसी मुद्दे को लेकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) और महाराष्ट्र नवनिर्माण महिला सेना ने स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर बोईसर ग्रामपंचायत को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मनसे के पालघर तहसील उपाध्यक्ष सत्यम मिथिलेश मिश्रा, मनसे महिला सेना की रेशमाताई जगताप, मनसे शाखा अध्यक्ष मुस्ताखान, स्थानीय नागरिक व महिलाएं ग्रामपंचायत कार्यालय

पहुंचकर अधिकारियों से मुलाकात कर जल्द से जल्द सड़क व स्ट्रीट लाइट की समस्या का समाधान करने की मांग की। मनसे प्रतिनिधियों ने ग्रामपंचायत से आग्रह किया कि जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत करवाई जाए तथा स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए मीटर और अन्य जरूरी व्यवस्था की जाए। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई वर्षों से वे इस समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। मनसे की इस पहल से नागरिकों में उम्मीद जगी है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान हो जायेगा।

सर्व पक्षीय कृति समिती और अखिल आगरी समाज परिषद का आयोजन

नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम लोकनेता दि.बा.पाटील ही होगा

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार ने देश भर में 40 हवाई अड्डों का नाम रखने का फैसला किया है, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम लोकनेता दि.बा.पाटील के नाम पर रखा जाएगा और केंद्र सरकार के पास कोई अन्य नाम नहीं है, यह बात पूर्व सांसद संजीव नाईक ने शनिवार को डोंबिवली में लोकनेता दि.बा.पाटील योद्धा सम्मान पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया था इस मौके पर पूर्व सांसद संजीव नाईक बोल रहे थे.

इस मौके पर पूर्व मंत्री कपिल पाटील, पूर्व सांसद संजीव नाईक, पूर्व मंत्री जगननाथ पाटील, पूर्व सांसद रामशेठ ठाकुर, विधायक राजेश मोरे, पूर्व विधायक सुभाष भोईर, ठाकरे के शिव सेना कल्याण जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे, पूर्व शिव सेना नगरसेवक रमेश म्हात्रे, कांग्रेस पदाधिकारी संतोष केणे, दत्ता वझे, शरद पाटिल के साथ कई पदाधिकारी और पूर्व सरपंच उपस्थित थे. कृति कमेटी के अध्यक्ष दशरथ पाटिल ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अजीत

पवार को उनसे मिलना चाहिए, अखिल कृषि समाज परिषद के पास बड़ी हिस्सेदारी है. इस अवसर पर अखिल कृषि समाज परिषद की कृषि दर्पण पत्रिका का प्रकाशन गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया.

इसके अलावा, सांसद संजीव नाइक ने कहा, नवी मुंबई हवाई अड्डे का नाम रखने का प्रस्ताव प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा अंतिम कैबिनेट अनुमोदन के लिए है. लंबित प्रश्न नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के नामकरण से संबंधित है. इसी तरह देश के 40 ऐसे हवाई अड्डों के नामकरण को लेकर कुछ प्रस्ताव उन राज्यों से आए हैं. राज्य सरकार की ओर से नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा दि. बा. पाटिल के अलावा कोई दूसरा नाम सामने नहीं आया है. ये आपके लिए बहुत खुशी की बात है.सभी को मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस से मिलकर कहना चाहिए कि एयरपोर्ट बनने के बाद सबसे पहले नामकरण किया जाए, विषय को उसकी पूर्ण सीमा तक ले जाना चाहिए, जहां तक भूमिपुत्रों के काम की बात है तो भूमिपुत्रों को उन्हें प्रशिक्षित करना चाहिए ऐसा पूर्व मंत्री पाटील ने कहा.भूमि पुत्रों को प्राथमिकता से नौकरी और व्यवसाय देना जरूरी है मुझे जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार कई लोगों को नौकरी मिली है. पूर्व सांसद संजीव नाईक ने कहा कि अगर हमने सख्त रुख नहीं अपनाया तो हम चूक जायेंगे.

महापालिका माध्यमिक शिक्षक संघ मुंबई द्वारा वक्तृत्व स्पर्धा पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। घाटकोपर पश्चिम स्थित पाटीदार सभागृह में सहकार मित्र सुरेश डावरे महापालिका माध्यमिक शिक्षक व कर्मचारी सहकारी पतसंस्था मर्यादित, मुंबई का महिला दिवस के अवसर पर आयोजित हुई। वक्तृत्व प्रतियोगिता के विजयी प्रतियोगियों को प्रतियोगिता में अंक के आधार पर पुरस्कृत समारंभ अध्यक्ष सुरेश डावरे के द्वारो प्रदान किया गया। इस अवसर पर पतसंस्था के अध्यक्ष आप्पासाहेब बागल, महासचिव अरूण इंगळे, कार्याध्यक्ष म्हतु कुन्हाडे, विद्या डावरे, सुनिल पाटील, गणपत गायकवाड, उपाध्यक्ष आप्पासाहेब बागल, प्रदिप राठोड, राधेश्याम राठौर, प्रिया उपासनी मैडम कार्यालयीन सचिव सुरेश आभाळे, जितेंद्र जावळे, अशोक हांडे देशमुख, रविंद्र पाटील, रत्नाकर विटकर, सचिव अखिलेश सिंह, सुरेश ऐवळे, सनत कुमार तावडे, छाया मिसळ एवं कोषाध्यक्ष सतिष औटी एवं सुभाष रजक उपस्थित थे। इस अवसर पर वक्तृत्व प्रतियोगिता का प्रथम क्रमांक संगीता राजेश कुमार यादव, द्वितीय क्रमांक उपासना प्रिया नितीन, तृतीय क्रमांक निलम वैभव कुंभार को दिया गया। सांत्वना पुरस्कार मनिषा अशोक आंग्रे मैडम, उमा शशिकांत कानेटकर मैडम, अनिता सतीश सराफ मैडम, छाया अनिल मिसाळ मैडम, अर्चना महेंद्र कदम मैडम, सुवर्णा प्रशांत कोतवाल मैडम को दिया गया। इस अवसर पर महापौर आदर्श शिक्षक पुरस्कार प्राप्त अशोक हांडे देशमुख सर को सम्मानित किया गया। समारोह में सैकड़ों शिक्षक उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ग्लेशियर के संरक्षण की आवश्यकता: प्रो.केएस पांडेय

विश्व जल दिवस के अवसर पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुई संगोष्ठी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा विश्व जल दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन भारत सरकार के मिशन लाइफ के तत्वावधान में शनिवार को किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं समाजसेवी प्रो.के.एस. पाण्डेय ने जल के महत्व को रेखांकित करते हुये कहा कि वर्ष 2025, ग्लेशियरों के संरक्षण और उनके सतत प्रबंधन पर केंद्रित है। उन्होंने भारत की स्थिति का जिक्र करते हुए बताया कि भारत में जल संसाधनों की स्थिति में बहुत ही असमानता है जिसमें देश के 36प्रतिशत क्षेत्रफल में 71प्रतिशत

जल संसाधन सिमटे हुए हैं, जबकि शेष 64प्रतिशत क्षेत्र में केवल 29प्रतिशत ही उपलब्ध है। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के पूर्व संकायाध्यक्ष प्रो.रामनारायण ने पुनर्नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग पर बल दिया। अध्यक्षता कर रहे संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने ग्लेशियर संरक्षण के लिए वैश्विक प्रयास करने पर बल दिया और बताया कि ग्लेशियर के संरक्षण के लिए हमें कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की जरूरत है।

इस अवसर पर सूक्ष्मजीविकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एस पी तिवारी ने कहा कि वर्षा जल संरक्षण से भूजल स्तर को बढ़ाया जाय पानी का पुनः उपयोग किया जाय। इस अवसर पर जैव रसायन विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि विश्व जल दिवस 2025 पर हमें ग्लेशियर संरक्षण के साथ साथ जल संसाधनों के सतत प्रबंधन और संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराना चाहिए, ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित जल सुनिश्चित किया जा सके।

इस अवसर पर मिशन लाइफ के नोडल अधिकारी पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ विवेक कुमार पाण्डेय द्वारा अतिथियों का स्वागत करते हुए विषय प्रवर्तन किया गया। इस अवसर पर डॉ. अभय कुमार गुप्ता, डॉ ईशानी, डॉ सिपाही लाल, डॉ दिनेश कुमार, डॉ संजीव मौर्य डॉ.अवधेश मौर्य, डॉ. प्रतिमा डॉ श्वेता शोध छात्र चंद्र भूषण आदि मौजूद रहे।

ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन में यासिर इमाम ने हासिल की सफलता, परिवार और शुभचिंतकों में हर्ष

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के ख्वाजा दोस्त निवासी यासिर इमाम ने ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (अक्हए) में सफलता प्राप्त कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। घोषित परिणाम के अनुसार, यासिर इमाम ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, जिससे उनके परिवार, शुभचिंतकों और कानूनी जगत से जुड़े लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

प्रतिष्ठित परिवार से रखते हैं ताल्लुक: यासिर इमाम नगर के एक प्रतिष्ठित परिवार से संबंध रखते हैं। वे शमशीर हसन के सबसे छोटे पुत्र हैं। उनका परिवार सामाजिक और राजनीतिक रूप से सक्रिय रहा है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष फैसल हसन तबरेज और राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के जिलाध्यक्ष पत्रकार तामीर हसन शीबू उनके बड़े भाई हैं। परिवार में शुरू से ही शिक्षा और सामाजिक सेवा को प्राथमिकता दी गई है, जिसका प्रभाव यासिर इमाम की सफलता में भी साफ झलकता है।

कानूनी क्षेत्र में नई शुरूआत: बार काउंसिल परीक्षा पास करने के बाद अब यासिर इमाम पूरी तरह से विधि क्षेत्र में अपनी सेवाएं प्रदान कर सकेंगे। उनकी इस सफलता को कानूनी क्षेत्र

से जुड़े लोगों ने भी सराहा है। क्षेत्र के कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

परिवार और शुभचिंतकों में हर्ष: यासिर इमाम की इस उपलब्धि से न सिर्फ उनका परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। रिश्तेदारों, दोस्तों और शुभचिंतकों ने मिठाइयां बांटकर उनकी इस सफलता का जश्न मनाया।

इस मौके पर यासिर इमाम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, बड़े भाइयों और शिक्षकों को दिया। उन्होंने कहा कि 'यह मेरे परिवार और गुरुजनों की दुआओं और मार्गदर्शन का ही नतीजा है कि मैं इस मुकाम तक पहुंचा। अब मेरा लक्ष्य न्याय के क्षेत्र में लोगों की सेवा करना और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना है।'

शुभचिंतकों ने दी बधाई: उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने भी खुशी जाहिर की। कांग्रेस नेता, अधिवक्ताओं, पत्रकारों और समाजसेवियों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यासिर इमाम की सफलता यह साबित करती है कि यदि मेहनत और लगन से प्रयास किया जाए, तो किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उनकी इस सफलता से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे जौनपुर में गर्व का माहौल है।

दालमंडी की सड़क 15 मीटर होगी चौड़ी, पीडब्ल्यूडी ने मांगी एनओसी

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के दालमंडी इलाके में जाम की समस्या से निजात मिलेगी। दालमंडी की सड़क 15 मीटर चौड़ी की जाएगी। इसके लिए लोक निर्माण विभाग की ओर से नगर निगम से एनओसी मांगी गई है। अप्रैल से काम शुरू होने की उम्मीद है।

दालमंडी की सड़क 15 मीटर चौड़ी होगी। इसमें पांच मीटर नाली और डक्ट का निर्माण कराया जाएगा। नगर निगम से सैद्धांतिक सहमति के आधार पर पीडब्ल्यूडी सड़क के चौड़ीकरण का काम करेगा। सीएम योगी के आदेश के बाद विभागीय अधिकारी अब सक्रिय हो गए हैं।

सड़क चौड़ीकरण में 187 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें लगभग 10 मीटर सड़क आने-जाने के लिए बनेगी। वहीं पांच मीटर नाली और डक्ट का निर्माण कराया जाएगा। भविष्य में इस इलाके में होटल, मॉल आदि खोले जाएंगे। इसके लिए यातायात व्यवस्था को सुगम और सुचारू बनाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं।

नगर युवा व्यापार मंडल महामंत्री मनोनीत हुए वरुण गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर नगर के मोहल्ला पुरानी सब्जी साहबगंज में नगर उद्योग व्यापार मंडल की एक आवश्यक बैठक की गई। जिसमें आदेशानुसार नगर युवा व्यापार मंडल का गठन किया गया। इसमें वरुण गुप्ता सोनी महामंत्री व योगेश कुमार जायसवाल अध्यक्ष मनोनीत किए गए। बैठक में संगठन विस्तार करने, मजबूती प्रदान करने एवं व्यापारियों की समस्याओं को लेकर विशेष रूप से चर्चा किया गया। इस दौरान नगर उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष आलोक कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से वरुण गुप्ता (सोनी) को महामंत्री व योगेश कुमार जायसवाल को अध्यक्ष मनोनीत किया गया और उन्होंने जल्द से जल्द कार्यकारिणी गठन करने को कहा। जिसका उपाध्यक्ष विश्वनाथ जायसवाल, शिवकुमार गुप्ता महामंत्री, संगठन मंत्री निशु केसरी, संरक्षक व पूर्व पालिका अध्यक्ष शिव गोविंद साहू, कोषाध्य नंदलाल गुप्ता ने सहर्ष स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी। जहां वरुण गुप्ता ने नई जिम्मेदारी मिलने पर कहा कि आपके विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। वहीं योगेश कुमार जायसवाल ने कहा कि नई जिम्मेदारी मुझे और अपने कर्तव्य के प्रति जिम्मेदार बनाएगा। इस अवसर पर नगर उद्योग व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारीगण सहित सदस्य व व्यापारी मौजूद रहे।

मौला अली की याद में अकीदतमंदों द्वारा निकाला गया जुलूस-ए-गम

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बड़ागांव स्थित मरहूम सैयद इम्तियाज हुसैन आब्दी के इमाम बारगाह से जुलूस-ए अजा का आयोजन किया गया। शनिवार को 21वीं रमजान को गमगीन माहौल देखने को मिला, जब मौला अली के ताबूत का पारंपरिक जुलूस निकाला गया। जुलूस में शामिल रोजेदारों और अकीदतमंदों ने शबीह-ए-मुबारक की जियारत के लिए अपने हाथ बुलंद किए और नम आँखों से मौला अली की शहादत को याद करते हुए आँसुओं का पुरसा पेश किया। जुलूस की शुरूआत मौलाना सैयद आजमी अब्बास, इमामे जुमा वल जमात बड़ा गांव की मकसूस तकरीर दर्द भरे अंदाज में पेश किया। उन्होंने मौला अली की ज़िन्दगी, उनकी शहादत और इस्लाम के लिए किए गए उनके बलिदानों पर रोशनी डाली। मजलिस के दौरान माहौल गमगीन हो गया और अजादारों की आँखों से आंसू छलक पड़े। मौलाना के बयान के बाद मुकामी अंजुमनो के नौहाख़्वानों ने नौहा और मातम पेश किया, जिससे पूरा इलाका गम और अकीदत से भर उठा जुलूस अपने कदीमी रास्ते से होता हुआ। मौला गाजी अब्बास के रौजे तक पहुँचा,

जहाँ इसके समाप्ति की रस्म अदा की गई। जुलूस के आगे बढ़ते ही अजादार सिर झुकाए नंगे पाँव मौला अली की याद में मातम करते हुए आगे बढ़ते गए। कई रोजेदारों ने अपनी आस्था और अकीदत के साथ जियारत की और मौला अली की शहादत को याद करते हुए मातम की सदाएं बुलंद की क पूरे रास्ते में या अली, या हुसैन की सदाएं गूंजती रही, जिससे माहौल गमगीन हो गया।जुलूस के दौरान समीम हैदर, मोहम्मद रजा, हसन मेहंदी, खुर्शीद हसन, सैयद परवेज मेहंदी शहर अर्सी, जाकिर हुसैन, रईश अहमद, मोहम्मद वारिस, मोहम्मद अजहर बब्लू इलेक्ट्रीशियन समेत सैकड़ों अकीदतमंदो ने खेराज-ए अकीदत पेश किया।

पूर्व एमएलसी ने विधायक के भाई के निधन पर जताया शोक

रमेश सिंह के आवास पर पहुंचकर मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों का श्रद्धांजलि देने का सिलसिला जारी

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विधायक शाहगंज

के छोटे भाई तथा पूर्व सांसद प्रतापगढ़ कुंवर हरिवंश सिंह के पुत्र दुर्गेश सिंह के गत दिनों मुंबई में हुए असामयिक निधन पर शुक्रवार देर शाम तक व शनिवार को उनके पैतृक आवास बस्ती बंदगान पहुंचकर जनप्रतिनिधियों, मंत्रियों समेत विशिष्टजनों का सिलसिला जारी है।

शनिवार को पूर्व एमएलसी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिराज मेहंदी ने स्वजनों को ढांढस बंधाया। दिवंगत को श्रद्धांजलि देते हुए आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव असलम इराकी, प्रधानाध्यापक अनिल कुमार आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

अल्पसंख्यक विभाग के बकाए की वसूली के लिए अभियान जारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुश्री अनीता ने अवगत कराया है कि उ०प्र० अल्पसंख्यक वित्तीय एवं विकास निगम लिमटेड लखनऊ द्वारा संचालित टर्मलोन योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 1995-96 से वित्तीय वर्ष 2006 तक प्राप्त किये गये जनपद जौनपुर के अल्पसंख्यक (मुस्लिम, सिक्ख, इसाई, बौद्ध, पारसी, जैन) समस्त लाभार्थी को अवगत कराया जाता है कि जिन लाभार्थियों द्वारा ऋण की बकाया धनराशि एवं ब्याज का भुगतान नही किया गया वह अपनी बकाया धनराशि 25 मार्च 2025 तक जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय कलेक्ट्रेट जौनपुर में कार्य दिवस में कार्यालय में कार्यरत वरिष्ठ सहायक सै.असगर मेंहदी जैदी मो0नं0 9140942057 पर सम्पर्क कर अपनी किश्त बैंक आफ बड़ौदा जेसीस चौराहा जौनपुर खाता संख्या 08700100003695 में जमा करें तथा उसकी सूचना कार्यालय को भी उपलब्ध करायें। जनपद के 10 बड़े बकायेदारों को नोटिस भेजी गयी है तथा वसूली की कार्यवाही की जा रही है। धनराशि जमा न करने पर आरसी जारी करने की कार्यवाही की जायेगी। जो कि निगम के ऋण ब्याज सहित वसूली राजस्व के बकाये के रूप में की जायेगी।

शिक्षक कभी रिटायर नहीं होता: कृपाशंकर सिंह

तेजी बाजार बनेगी नई ब्लॉक

महराजगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय मैनुद्दीनपुर में आयोजित सेवा संपूर्ति सम्मान समारोह एवं नवनिर्मित कक्षो के लोकार्पण के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपा शंकर सिंह ने कहा शिक्षक कभी रिटायर नहीं होता। वह आजीवन शिक्षण का कार्य करता रहता है। यह पीएम श्री विद्यालय मॉडल विद्यालय होने के साथ जनपद व प्रदेश में अपना स्थान रखता है।जौनपुर में सबसे अधिक प्रशासनिक अधिकारी हुए हैं। जौनपुर की पहचान प्रशासनिक अधिकारियों व तिलकधारी महाविद्यालय से हैं। यदि यहां एक केंद्रीय विश्वविद्यालय बन जाए तो निश्चित ही शिक्षा के क्षेत्र में जौनपुर देश में अपना नाम रोशन करेगा। तेजी बाजार नया थाना बनने के बाद आप जल्द ही नया विकास खंड भी बनेगा। जब तक जौनपुर से भाजपा का कोई जनप्रतिनिधि नहीं होता तब तक मैं यहां की जनता की सेवा करता रहूंगा।

इस दौरान बदलापुर विधायक रमेश मिश्रा ने कहा पीएम श्री विद्यालय एक मॉडल विद्यालय के रूप में काम कर रहा है। खेल व शिक्षा के क्षेत्र में इस विद्यालय ने प्रदेश व जनपद में अपना स्थान बनाया है। जो सुविधा यहां मौजूद हैं वह शहर के किसी प्राइवेट विद्यालय में नहीं है। शिक्षा की अलख जगा कर ही जात-पात की व्यवस्था को मिटाया जा सकता है।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल ने कहा जौनपुर पहले भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे रहा है।इस बार निपुण आकलन में पूरे प्रदेश में जौनपुर पहले स्थान पर आया।जिले के 1757 विद्यालय निपुण घोषित किए गए हैं। अध्यापकों के आकलन के द्वारा ही समाज का

आकलन किया जाता है कि यह समाज कैसा होगा। ऐसे में अध्यापन पेशा अन्य पेशों से अलग है। इस दौरान 36 वर्ष सेवा के बाद रिटायर हो रही विद्यालय के प्रधानाध्यापिका किरण सिंह को पूर्व गृह राज्यमंत्री मंत्री एवं विधायक द्वारा अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व आईपीएस अधिकारी राम मोहन सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी शिखा मिश्रा, विन्ध्वासिनी उपाध्याय, प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष अमित सिंह, डा. मनीष सिंह, राजेश सिंह, शैलेंद्र मोहन सिंह, सिद्धार्थ सिंह, सुनील सिंह आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शिव पूजन पाण्डेय द्वारा किया गया।

दीवानी न्यायालय में आयोजित हुआ होली मिलन समारोह

◆ अधिवक्ता संघ के अधिवक्तागण ने बिरहा का लिया आनंद

अमित तिवारी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ता एवं जूनियर अधिवक्ताओं द्वारा बिरहा का आनन्द लिया गया एवं अधिवक्ताओं ने एक दुसरे के ऊपर पुष्प वर्षा कर बधाई दिया गया।

बिरहा गायिका उजाला यादव एवं अन्य कलाकारो ने अपने कुशल गायन से अधिवक्ताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दीवानी अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सुभाष चन्द्र यादव मंत्री रणबहादुर, जिला जज

एवं अन्य न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रजनाथ पाठक, राजेश उपाध्याय शासकीय अधिवक्ता पाक्सो, एडवोकेट शिवेंद्र विक्रम पाठक, आनंद देव तिवारी एडवोकेट, गौरव शुक्ला कार्यकारी सदस्य, अमित तिवारी एडवोकेट, प्रदीप यादव एडवोकेट एवं अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

समाजसेवी अतुल तिवारी ने सेवा दिवस के रूप में मनाया जन्म दिवस

सभी भारतीय नागरिकों को अपने जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाना चाहिए: अतुल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के जफराबाद क्षेत्र के निवासी, अखिल भारतीय हिंदू सेवा दल उत्तर प्रदेश के प्रदेश संगठन मंत्री व आम आदमी पार्टी जौनपुर के पूर्व जिला मीडिया प्रभारी समाजसेवी अतुल कुमार तिवारी (बुद्धिमान) ने 21 मार्च को अपने जन्मदिन के दिन लगभग ढाई सौ (250) लंच, भोजन पैकेट बनवाकर और साथ में मीठा व फल जरूरतमंद लोगों को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर स्वयं दिए। जन्मदिन के दिन समाजसेवी अतुल तिवारी ने समस्त भारतवासियों से यह अपील किए कि सभी भारतीय नागरिकों को अपने जीवन में प्रत्येक वर्ष कम से कम एक बार हर साल अपने जन्मदिवस को

सेवा दिवस के रूप में मनाना चाहिए अर्थात सभी लोगों को अपने जन्मदिवस के दिन जरूरतमंद व असहाय लोगों की मदद करके इस शुभ दिन को सेवा दिवस के रूप में मनाकर यादगार बनाएं।

समाजसेवी अतुल कुमार तिवारी ने बताया कि वह हमेशा जरूरतमंद व असहाय लोगों की मदद करते रहते हैं। लेकिन इसी के साथ साथ उन्होंने अपने जीवन में यह वचन लिया है कि वह अपने जन्म दिवस को हर साल सेवा दिवस के रूप में मनाएंगे।इसी संदर्भ में वह पूर्व से ही अपने जन्मदिन के दिन विभिन्न प्रकार के सामाजिक कार्य जैसे वृद्ध आश्रम में भोजन का प्रबंध, रक्तदान तथा जरूरतमंद व असहाय लोगों की मदद करने जैसा कार्य करते हैं।समाजसेवी अतुल ने कहा कि उक्त सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा उन्हें उनके माता-पिता व परिवार के सदस्यों से मिला है।

जफराबाद पर छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम (एसपीईएल) कार्यक्रम का किया गया आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के कुशल निर्देशन

में एस.पी.ई.एल कार्यशाला का आयोजन थाना जफराबाद पर किया गया।डॉ.अवधेश कुमार मौर्य, जिला नोडल अधिकारी, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के द्वारा किया गया। इस दौरान पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर से संबद्ध महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के चयनित माय भारत पोर्टल पर पंजीकृत छात्र एवं छात्राएं को प्रभारी निरीक्षक जफराबाद, निरीक्षक श्री संजय कुमार सिंह तथा महिला आरक्षी शालिनी यादव महिला आरक्षी प्रज्ञा सिंह के द्वारा पुलिस न्याय प्रणाली की जानकारी को जन-जन तक पहुंचा कर निर्भय एवं जागरूक समाज के निर्माण में सहयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में विभिन्न डिजिटल क्राइम ब्रांच प्रभारी, महिला हेल्पलाइन प्रभारी, सड़क सुरक्षा प्रभारी आदि उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान छात्र एवं छात्राओं को साइबर क्राइम, सड़क सुरक्षा, विशेष अपराध संबंधित अधिनियम, आधुनिक पुलिस कार्य प्रणाली, 1930 साइबर हेल्प लाइन, महिला मिशन शक्ति, 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 वूमेन हेल्प, 112 पुलिस इमरजेंसी सेवा इत्यादि के बारे में संबंधित प्रभारियो द्वारा जानकारी दी गई। नोडल अधिकारी डॉ. अवधेश कुमार मौर्य ने सभी को सामाजिक न्याय एवं सुरक्षा जागरूकता के लिए शपथ दिलवाया गया।

जिला अस्पताल में डॉक्टर से अभद्रता और मारपीट, अस्पताल में मची अफरा तफरी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिला चिकित्सालय उमानाथ सिंह में शुक्रवार दोपहर उस समय बड़ा हंगामा हो गया जब एक महिला और उसके साथियों ने ओपीडी में तैनात डॉक्टर से अभद्र व्यवहार किया और मारपीट पर उतर आए।जानकारी के अनुसार, आँर्थो सर्जन डॉ. संजय कुमार कनौजिया, पुत्र राम दयाल कनौजिया, ओपीडी के नंबर 11 में मरीजों को देख रहे थे। उसी दौरान एक महिला अपनी 7 वर्षीय बच्ची को लेकर डॉक्टर के पास पहुंची। डॉक्टर ने बच्ची का परीक्षण कर दवाएं दीं और उचित सलाह दी। साथ ही महिला से कहा गया कि दवा दिखाकर ले आएं। इसी बात पर महिला भड़क उठी और डॉक्टर से उलझ पड़ी।

गुस्से में महिला ने अपना पर्चा मोड़कर डॉक्टर के ऊपर फेंक दिया और गालियां देने लगी। महिला ने फोन कर कुछ लोगों को बुला लिया, जो आते ही डॉक्टर से मारपीट करने लगे। आरोप है कि उन लोगों ने डॉक्टर का कॉलर पकड़कर गर्दन दबाने की भी कोशिश की। इस पूरे घटनाक्रम से काफी देर तक अस्पताल के कार्य में बाधा उत्पन्न रही।

घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई और कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। वहीं, डॉ. संजय कुमार कनौजिया ने जिला अस्पताल में अपना चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया है। इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में भगदड़ मच गई और वहां कार्यरत चिकित्सकों में भय और दहशत का माहौल बन गया है। चिकित्सकों ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

आरटीओ वाराणसी ने मारा छापा, खुली पोल तो मचा हड़कंप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आरटीओ वाराणसी ने आज सुबह 10 बजकर 5 मिनट पर एआरटीओ कार्यालय का औचक निरीक्षण किया, निरीक्षण में अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक की कलई खुल गई। मौके पर दो बाबुओं को छोड़कर सभी अधिकारी कर्मचारी लापता मिले। आरटीओ ने लापता सरकारी मुलाजिमों को गैर हाजिर करते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। मालूम हो कि योगी राज में भी एआरटीओ कार्यालय के अधिकारी कर्मचारी पूरी तरह से बेलगाम है।जब उनकी मर्जी करती है तब कार्यालय आते है उनके मन के ऊपर है काम करे या न करे जिसके कारण इस कार्यालय में काम के लिए आने वाली जनता, मोटर मालिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता ही है साथ में उनका मानसिक और आर्थिक शोषण भी होता है।

मात्र दो बाबू को छोड़ बाकी एआरटीओ सहित सभी लापता

वाराणसी के आरटीओ शिखर ओझा शनिवार को सुबह 10 बजकर 5 मिनट पर जौनपुर एआरटीओ कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि मौके पर मात्र दो बाबू मिले, आर आई गाजीपुर गए हुए है, बाकी एआरटीओ समेत सभी कर्मचारी नदारत मिले, लापता लोगों को अनुपस्थिति करते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया हैं।

95 करोड़ रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पुलिस ने किया पदार्फाश, सात गिरफ्तार

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जिले की पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर 95 करोड़ रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। एसएसपी हेमराज मीना के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के तहत पुलिस ने 208 बैंक खातों में से 1 करोड़ रुपये फ्रीज किए। पुलिस ने 15 लाख रुपये मूल्य का सामान बरामद किया, जिसमें 20 हजार रुपये नकद, 51 मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप, 42 एटीएम कार्ड, 13 बैंक पासबुक, 79 सिम कार्ड, 4 चेकबुक और 1 फाइबर राउटर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, यह गैंग ह्यक्रिकेट बजह्व नामक अवैध ऑनलाइन गेम के जरिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे व्हाट्सएप, टेलीग्राम और फेसबुक पर लोगों को झांसा देता था। अभियुक्त विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को लुभाते थे और उन्हें वेबसाइट (https://allpanels.com.in) पर लॉगिन कराकर गेम या टास्क पूरा करने का लालच देकर पैसे दोगुने-तीगुने करने का वादा करते थे। इसके बाद ठगी का पैसा फर्जी बैंक खातों और मोबाइल नंबरों के जरिए ट्रांसफर कर लिया जाता था। इस गैंग के सदस्य भारत के साथ-साथ श्रीलंका और यूएई जैसे देशों से जुड़े थे और व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए ठगी के पैसे का लेन-देन करते थे। यह कार्रवाई साइबर क्राइम थाना आजमगढ़ में दर्ज मुकदमा संख्या 70/2024 की जांच के दौरान हुई, जिसमें धारा 318(4), 319(2), 336(3), 338, 340(2), 111 बीएनएस, 66सी, 66डी आईटी एक्ट और 3 सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज था। मुखबिर की सूचना और मोबाइल नंबरों व बैंक खातों की लोकेशन की जांच के आधार पर 22 मार्च 2025 को साइबर क्राइम थाना और स्वाट टीम ने संयुक्त ऑपरेशन चलाकर वाराणसी के पांडेयपुर, थाना बड़ालालपुर से 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में 6 उत्तर प्रदेश और 1 पश्चिम बंगाल से है। देश के विभिन्न राज्यों में इनके खिलाफ 45 साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में शुभम जायसवाल (मिजार्पुर), धनजीत यादव (जौनपुर), अजय यादव (वाराणसी), अभय राय (चंदौली), अविनाश राय (पश्चिम बंगाल), शुभम यादव (वाराणसी) और पीयूष यादव (जौनपुर) शामिल हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि नवंबर 2024 में आजमगढ़ से 11 लोग पकड़े जाने के बाद वे वाराणसी में छिपकर यह धंधा चला रहे थे। ससे पहले नवंबर 2024 में आजमगढ़ पुलिस ने रेडी अन्ना, लोटस और महादेव जैसे प्रतिबंधित ऐप्स के जरिए 190 करोड़ की ठगी करने वाले एक अन्य अंतरराष्ट्रीय गैंग का पदार्फाश किया था, जिसमें 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने कहा कि साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। इस ऑपरेशन में साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार यादव, स्वाट टीम और सर्विलांस टीम ने अहम भूमिका निभाई।

मुलुंड में महिलाओं को मुफ्त साड़ी वितरण

मुंबई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सेवादल के कार्याध्यक्ष राकेश शेट्टी की संस्था राकेश शेट्टी फाउंडेशन की तरफ से पुर्व प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी चौक नामफलक उद्घाटन के उपलक्ष्य में महिलाओं को मुफ्त साड़ी वितरण कार्यक्रम का आयोजन रविवार दिनांक 23 मार्च 2025 को शाम 5 बजे से इंदिरा गांधी चौक, वैशाली नगर,द्वारका होटल के सामने, बालराजेश्वर रोड, मुलुंड प. पर आयोजित किया गया है। सहआयोजक संतोष सिंह अल्का सावला भगवान किशोर तिवारी राजेन्द्र उटवाल निक्सन अब्दुल जब्बार हैं।

रियलमी ने रियलमी पी3 अल्ट्रा 5जी और पी3 5जी पेश किए

पटना (उत्तरशक्ति)। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड, रियलमी ने खास भारत के लिए डिजाईन की गई रियलमी पी3 सीरीज की दूसरा श्रृंखला पेश की है। इस सीरीज में रियलमी पी3 अल्ट्रा 5जी और रियलमी पी3 5जी पेश किए गए हैं, जिनसे भारतीय यूजर्स के लिए अनुकूलित अत्याधुनिक इनोवेशन की रियलमी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। रियलमी ने परफॉर्मेंस, सुगम मल्टीटास्किंग, और गेमिंग के बेहतरीन अनुभव पर केंद्रित रहते हुए पी3 सीरीज 5जी पेश की है, जिसने मिड-रेंज सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर दिए हैं, और यूजर अनुभव में सुधार लाने के लिए सेगमेंट के सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन पेश किए हैं।रियलमी पी3 अल्ट्रा 5जी और रियलमी पी3 5जी सीमाओं को बढ़ाते ही नहीं हैं, बल्कि उन्हें खत्म कर देते हैं। मिड रेंज सेगमेंट में नए मानक स्थापित करके ये डिवाईस अत्याधुनिक डिजाईन के साथ शानदार परफॉर्मेंस प्रदान कर रही हैं, ताकि अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में भी उनका दबदबा बना रहे। रियलमी एक मेक इट रियल सिद्धांत के अनुरूप, ये दोनों स्मार्टफोन बेहतरीन कारीगरी, अत्याधुनिक इनोवेशन, और बेजोड़ ड्यूरेबिलिटी की मिसाल पेश करते हैं, साथ ही ऐसा अनुभव प्रदान करते हैं, जो शक्तिशाली होने के साथ प्रीमियम भी हो। इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा, ह्यह्यहम रियलमी पी3 अल्ट्रा 5जी और रियलमी पी3 5जी पेश करके बहुत उत्साहित हैं। ये दोनों स्मार्टफोन एआई-पॉवर्ड परफॉर्मेंस, सुगम मल्टीटास्किंग, और शानदार गेमिंग के लिए उत्तम हैं। रियलमी पी3 अल्ट्रा 5जी अपने लुमिनस कलर-चेंजिंग फाईबर और दुनिया के पहले मीडियाटेक डायमेंसिटी 8350 अल्ट्रा चिपसेट के साथ अत्याधुनिक स्पीड और इनोवेशन पेश करता है। साथ ही, रियलमी पी3 5जी में भारत का पहला स्नैपड्रैगन 6 जेन 4 चिपसेट लगा है।

50 हजार घूस लेते एपीओ को एंटी करप्शन टीम ने रंगेहाथ पकड़ा

लखीमपुर (उत्तरशक्ति)। लखीमपुर खीरी में एंटी करप्शन की टीम ने शनिवार को कुंभी ब्लॉक के एपीओ (सहायक कार्यक्रम अधिकारी) मधुर गुप्ता को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा। बताया जा रहा है कि उसने एक व्यक्ति से काम के बदले में रिश्वत ली थी। उक्त व्यक्ति ने एंटी करप्शन से शिकायत की थी। इस पर एंटी करप्शन टीम ने यह कार्रवाई की। टीम उसे लेकर फरधान थाने में पहुंची। जहां लिखापढ़ी की कार्रवाई कराई जा रही थी। मधुर गुप्ता ब्लॉक कुंभी में संविदा पर तैनात है। जब एंटी करप्शन टीम ने उसे पकड़ा तो वह झीनाझपटी करने लगा था। अपने कान पकड़ बोला कि यह उसका पैसा नहीं है। टीम के सदस्य पकड़कर कार्यालय से बाहर लाए और गाड़ी में बैठाकर चले गए।

पुलिस ने पकड़ी अवैध शस्त्र फैक्टरी, दो शातिर गिरफ्तार

अलीगढ़ (उत्तरशक्ति)। अलीगढ़ के क्वार्सी थाना पुलिस ने अवैध शस्त्र फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने नगला पटवारी और इगलास के दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से भारी मात्रा में बने व अधबने तमंचे, तमंचे बनाने में प्रयुक्त पार्टस व बनाने के लिए प्रयुक्त उपकरण बरामद किए हैं। थाना क्वार्सी पुलिस टीम ने पंजीपुर गभाना बाईपास स्थित बाउण्ड्री वाल के पास से सद्दाम व कामरान को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से शस्त्र फैक्टरी तथा भारी मात्रा में बने व अधबने हथियारव व प्रयुक्त होने वाले उपकरण बरामद किए हैं।

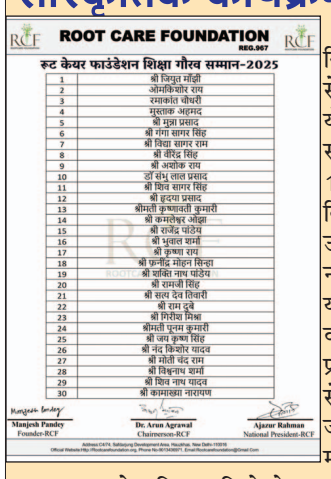

रूट केयर फाउंडेशन द्वारा 19 अप्रैल को सिवान में सम्मान समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

ROOT CARE FOUNDATION

रूट केयर फाउंडेशन शिक्षा गौरव सम्मान-2025

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान में इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम 19 अप्रैल 2025 को रुपम पैलेस बिन्दुसार बुजुर्ग, महावीर स्कूल के उत्तर गेट एवं उखई मोड़ हाईवे के नजदीक आयोजित किया गया है। यह न केवल सिवान के गौरवशाली व्यक्तित्वों को पहचान दिलाने का प्रयास है, बल्कि शिक्षा, समाज सेवा और पत्रकारिता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का भी एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा। शिक्षा गौरव सम्मान समारोह सिवान जिले के 30 सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनकी कर्तव्यनिष्ठ सेवा के लिए सम्मानित किया जाएगा। समाजसेवा गौरव सम्मान समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 6 संस्थाओं या व्यक्तियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। सिवान गौरव सम्मान सिवान का नाम बिहार, देश और दुनिया में रोशन करने वाले 5 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को यह सम्मान दिया जाएगा। पत्रकारिता गौरव सम्मान निष्ठापूर्वक पत्रकारिता करने वाले 15 पत्रकारों को उनके साहसिक और निष्पक्ष कार्य के लिए सराहा जाएगा।

कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले महानुभावों का चयन कर के उसकी घोषणा की गई है। कार्यक्रम के आयोजको ने लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील किया है।

मिआ ने मुंबई में फ्लैगशिप स्टोर शुरू किया

ओबेरॉय मॉल में शानदार फ्लैगशिप स्टोर का शुभारंभ

मुंबई। भारत के सबसे बड़े फाइन ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक, तनिष्क के परिवार का ब्रांड, मिआ ने गोरेगाव के ओबेरॉय मॉल में अपना नया फ्लैगशिप स्टोर शुरू करके मुंबई में अपना स्थान मजबूत किया है। मिआ बाए तनिष्क के रिटेल हेड श्री संजय भट्टाचार ने नए स्टोर का उद्घाटन किया। गुढी पाडवा का पवित्र पर्व नजदीक आ रहा है, इस शुभ अवसर को ध्यान में रखते हुए मिआ ने 'रनवे स्टार इवेंट' का आयोजन करके अपने उपभोक्ताओं के साथ संबंधों को और भी दृढ़ किया। अलग दुनिया में ले जाने वाला, बेहद शानदार शॉपिंग का अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया नया स्टोर आधुनिक फाइन ज्वेलरी को ज्यादा से ज्यादा आधुनिक भारतीय महिलाओं तक पहुंचाने की मिआ की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। गोरेगाव के ओबेरॉय मॉल में पहली मंजिल पर 800 स्क्वायर फीट के इस स्टोर में मिआ की सिग्नेचर ज्वेलरी का विशाल कलेक्शन प्रस्तुत किया गया है। 14 और 18 कैरेट सोने, हीरे और चांदी में बने, ट्रेंडी, वजन में हलके डिजाइन यहां मिलेंगे। मुंबई में नए स्टोर के खुलने की खुशी में ब्रांड ने 20% तक की भारी डिस्काउंट ऑफर दी है। 21 से 23 मार्च 2025 तक इस आकर्षक ऑफर का लाभ उठाया जा सकता है। देश भर में किसी भी मिआ स्टोर में ज्वेलरी खरीद पर अपने मासिक निवेश के 75% तक के खास डिस्काउंट पाने का यह सुनहरा मौका है।

संजय भट्टाचार, रिटेल हेड, तनिष्क ने कहा,₹मुंबई हमारे लिए हमेशा से ही एक महत्वपूर्ण मार्केट रहा है। आज ओबेरॉय मॉल में हमारा नया फ्लैगशिप स्टोर शुरू होने की घोषणा करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। हमारे उपभोक्ताओं को ऐसे आभूषण चाहिए जो बहुमुखी हो, शानदार हो और हर मौके के लिए बेहतरीन हो। नया स्टोर उन्हें हमारे और भी पास लेकर आएगा। रनवे स्टार इवेंट में हमने हमारे उपभोक्ताओं को सम्मानित किया, अपनी खुद की अनूठी स्टाइल को आत्मविश्वास के साथ स्वीकार करने के लिए उन्हें सक्षम किया। महाराष्ट्र में हमारे 30 स्टोर हो चुके हैं, उनमें से 19 मुंबई में हैं, मिआ ब्रांड अपनी उपस्थिति को ऐसे ही मजबूत करते रहेगा, शहर के फैशन-फॉरवर्ड उपभोक्ताओं की पसंद, जरूरतों, मांगों को पूरा करेगा।

यह नया स्टोर महाराष्ट्र में हमारा 31 वा स्टोर है, जो आधुनिक फाइन ज्वेलरी को ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।₹ समीप पाठक, सीईओ - मॉल्स, ओबेरॉय रियल्टी ने कहा,₹गोरेगांव के ओबेरॉय मॉल में मिआ बाए तनिष्क का स्वागत करते और टाइटन के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करते हुए हमें बहुत खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। प्रमुख लक्जरी और लाइफस्टाइल ब्रांडों के लिए पसंदीदा डेस्टिनेशन यह हमारी पहचान इस लॉन्च के साथ और भी मजबूत हुई है। तनिष्क और अर्थ पहले से ही हमारे क्यूरेटेड रिटेल पोर्टफोलियो का हिस्सा हैं, मिआ बाए तनिष्क का स्टोर उपभोक्ताओं को बेहतरीन शॉपिंग अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। ओबेरॉय रियल्टी में, हम अपने ब्रांड भागीदारों के साथ लगातार सहयोग करते हैं ताकि इमर्सिव रिटेल अनुभवों को प्रदान करते हुए रिटेलर्स की भागीदारी को बढ़ाया जा सकें, जो हमारे उत्साहपूर्ण समुदाय के साथ उनके संबंध को मजबूत करते हैं।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा इफ्तारी दावत का आयोजना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार के दिन, माह-ए-रमजान के बीसवा रोजा पर इफ़्तारी दावत का आयोजन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-अजित पवार महाराष्ट्र टेनिस उपमुख्यमंत्री द्वारा इस्लाम जिम खाना, मरीन लाइन, मुंबई के इस इफ़्तार दावत में सभी समुदाय के लोगों ने शिरकत किया। इस मौके पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) गुट महाराष्ट्र पूर्व मंत्री नवाब मलिक, मुंबई उपाध्यक्ष व माजी नगरसेवक कप्तान मलिक, उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक समाचार संवाददाता सुखबिंदर सिंह, भाजपा उत्तर मध्य जिल्हा मुंबई उपाध्यक्ष हरिकेश जैसवाल, मानव कल्याण सेवा संघ अध्यक्ष उदय सिंह ठाकुर, जय हिंद कुमार प्रजापति, माजी नगरसेवक ठाणे जिल्हा नजीब मुल्ला,सचिन साळुंखे ब्लू टाइगर ग्रुप अध्यक्ष, आसिफ भामला- भामला फाउंडेशन अध्यक्ष, मुस्ताक शेख-शेख फाउंडेशन,जिल्हा अध्यक्ष अरशद आमिर, श्रद्धा चोरगे गॉर्ज,रेहाना खान,हमीदा वषार्नी,सोहन सहदेवन,सुहैल खांडवानी माहिम दरगह और हाजी अली दरगह प्रबंध समिति,खलील भाई महाराष्ट्र कार्यकारी अध्यक्ष वाहतुक संगठन,हाजी मुकलेश शेख,सज्जाद अली,जगन्नाथ उदगदवे,प्रफुल्ल पटेल राज्यसभा संसद,सुनीत तटकरे संसद,हसन मुश्रीफ चिकित्सा शिक्षा मंत्री,छगन भुजवाल आमदार,सईद जलालुद्दीन अध्यक्ष अल्पसंख्यक,इंद्रपाल सिंह,सलीम सारंग उपाध्यक्ष महाराष्ट्र प्रदेश, मुबीनुद्दीन सिद्दीकी कार्यकारी अध्यक्ष,वसीम बुरहान कार्यकारी अध्यक्ष,इदरीस नाइकवाडी प्रदेश अध्यक्ष,सना मलिक आमदार अणुशक्ति नगर विधानसभा,रईस शेख आमदार भिवंडी विधानसभा,आरिफ सय्यद,मुन्ना भाई ,मनोज भाई सामाजिक सहित अन्य लोगों उपस्थित रहे।

विश्व जल दिवस के पोस्टर का विमोचन, गुमानसिंह देवड़ा का मुंबई में स्वागत

मुंबई। विश्व जल दिवस के उपलक्ष पर जल संजोने की अपील करनेवाले पोस्टर का विमोचन होटल आदर्श पैलेस, कालबादेवी, मुंबई में सम्पन्न हुआ। इस पोस्टर का लोकार्पण ठाकुर साहब गुमानसिंह देवड़ा, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव और मेर मंडवाड़ा ठिकाना के ठाकुर (सिरोही के समीप, राजस्थान) के कर कमलों द्वारा हुआ। मुंबई के अल्प प्रवास पर पधारें ठाकुर गुमानसिंह का समाज के प्रबुद्ध लोगों द्वारा भव्य स्वागत हुआ। गुमानसिंह देवड़ा को कनुभाई रावल (केंजो ग्रुप) ने माल्यार्पण किया, जीतू दवे ने पुष्पगुच्छ प्रदान किया, होटल आदर्श पैलेस के जगदीश पुरोहित ने सफा पहनाया और सुरेश रावल कांग्रेस युवा नेता ने शाल ओढ़कर स्वागत किया। पोस्टर का विमोचन करते हुए गुमानसिंह देवड़ा ने अपने व्यक्तव्य में कहा पानी को संजोने और उसका बचत करना बेहद जरूरी हैं और वर्तमान पीढ़ी को इस का अनमोल धरोहर को आने वाली पुश्तों के लिए संजोना हैं वरना उनको साफ पानी तो क्या पानी के लिए तरसना पड़ेगा। पोस्टर की परिकल्पना करने वाले इंडियाप्रेस के मालिक जगदीश पुरोहित ने कहा कि इस प्रकार के पोस्टरों को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत हैं जिससे उनमें जागृति फैलेगी। जल ही जीवन हैं इस महावाक्य को हिन्दी, राजस्थानी, गुजराती, मराठी एवं अंग्रेजी में भी छापा गया हैं। वासुदेव कुटुंबकाम के लिए हमें मानव ही नहीं बल्कि सभी प्रकार के पशु पक्षियों के लिए भी पर्याप्त जल संसाधनों को संजोना होगा। स्वागत करनेवालों में प्रमुख थे सुरेश पाडीव, जीतेन्द्र सिंह राठौड़, निमेश बोहरा, ओमप्रकाश रावल, उकाराम चौधरी, नरपतसिंह देवड़ा, जीवाराम घांची, गोविंद सरतरा, रमेश पुरोहित समेत दर्जनों प्रबुद्धजन मौजूद थे।

नहर के किनारे रेत में दबा मिला महिला का शव

शाहजहांपुर (उत्तरशक्ति)। शाहजहांपुर में पुवायां ब्लॉक और बंडा थाना क्षेत्र के गांव सिंघापुर खास के पास शारदा नहर के किनारे एक महिला का शव शनिवार को रेत में दबा मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव निकलवाकर पोस्टमॉर्टम को भिजवाया। ग्रामीणों ने हत्या कर शव दफनाने की आशंका जताई है। पुलिस जांच कर रही है। शनिवार को कुत्ते शारदा नहर के किनारे रेत को खोद रहे थे। जमीन के अंदर से कुछ खींच रहे थे। कुत्तों को देखकर गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो पता चला कि रेत में महिला का शव दबा है। सूचना पाकर बंडा और पुवायां पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के बाद मामले की जानकारी सीओ को दी गई। सीओ के पहुंचने पर शव को निकलवाया गया। पुलिस के अनुसार गुलाबी कुर्ता और आसमानी सलवार पहने महिला का शव कई दिन पुराना लग रहा है। महिला की आयु लगभग 27 वर्ष होने का अनुमान है। महिला के पैर में काला धागा बंधा हुआ है और गले में लाल रंग का धागा पहना हुआ है। इस दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, लेकिन महिला के शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। सीओ निष्ठा उपाध्याय ने बताया कि पुलिस महिला की पहचान करने और मामले की जांच में जुटी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

95 करोड़ की साइबर ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गैंग के सात आरोपी गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जिले की पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर 95 करोड़ रुपये की साइबर ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। एसएसपी हेमराज मीना के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के तहत पुलिस ने 208 बैंक खातों में से 1 करोड़ रुपये फ्रीज किए। पुलिस ने 15 लाख रुपये मूल्य का सामान बरामद किया, जिसमें 20 हजार रुपये नकद, 51 मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप, 42 एटीएम कार्ड, 13 बैंक पासबुक, 79 सिम कार्ड, 4 चेकबुक और 1 फाइबर राउटर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, यह गैंग 'क्रिकेट बज' नामक अवैध ऑनलाइन गेम के जरिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे व्हाट्सएप, टेलीग्राम और फेसबुक पर लोगों को झांसा देता था। अभियुक्त विज्ञापनों के माध्यम से लोगों को लुभाते थे और उन्हें वेबसाइट (https://allpan-els.com.in) पर लॉगिन कराकर गेम या टास्क पूरा करने का लालच देकर पैसे दोगुने-तीगुने करने का वादा करते थे। इसके बाद ठगी का पैसा फर्जी बैंक खातों और मोबाइल नंबरों के जरिए ट्रांसफर कर लिया जाता था। इस गैंग के सदस्य भारत के साथ-साथ श्रीलंका और यूएई जैसे देशों से जुड़े थे और व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए ठगी के पैसे का लेन-देन करते थे। यह कार्रवाई साइबर क्राइम थाना आजमगढ़ में दर्ज मुकदमा संख्या 70/2024 की जांच के दौरान हुई, जिसमें धारा 318(4), 319(2), 336(3), 338, 340(2), 111 बीएनएस, 66सी, 66डी आईटी एक्ट और 3 सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज था। मुखबिर की सूचना और मोबाइल नंबरों व बैंक खातों की लोकेशन की जांच के आधार पर 22 मार्च 2025 को साइबर क्राइम थाना और स्वाट टीम ने संयुक्त ऑपरेशन चलाकर वाराणसी के पांडेयपुर, थाना बड़ालालपुर से 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में 6 उत्तर प्रदेश और 1 पश्चिम बंगाल से है।

देश के विभिन्न राज्यों में इनके खिलाफ 45 साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में शुभम जायसवाल (मिजार्पुर), धनजीत यादव (जौनपुर), अजय यादव (वाराणसी), अभय राय (चंदौली), अविनाश राय (पश्चिम बंगाल), शुभम यादव (वाराणसी) और पीयूष यादव (जौनपुर) शामिल हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि नवंबर 2024 में आजमगढ़ से 11 लोग पकड़े जाने के बाद वे वाराणसी में छिपकर यह धंधा चला रहे थे। ससे पहले नवंबर 2024 में आजमगढ़ पुलिस ने रेडी अन्ना, लोटस और महादेव जैसे प्रतिबंधित ऐप्स के जरिए 190 करोड़ की ठगी करने वाले एक अन्य अंतरराष्ट्रीय गैंग का पदार्फाश किया था, जिसमें 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना ने कहा कि साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। इस ऑपरेशन में साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार यादव, स्वाट टीम और सर्विलांस टीम ने अहम भूमिका निभाई।

विश्व जल दिवस : रन फॉर क्लीन गंगा मैराथन में दौड़ी काशी

सुरेश गांधी

वाराणसी। संकट मोचन फाउंडेशन व म दर्स फॉर मदर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को विश्व जल दिवस के मौके पर आयोजित मैराथन में युवाओं ने बढ़ चढ़कर लिया भाग लिया। मकसद : गंगा प्रदूषण मुक्ति व निर्मलीकरण। खासकर उत्साह, उमंग व जोश से लबरेज युवा धावकों की टोली जब रन फॉर क्लीन गंगा मैराथन के लिए सड़कों पर उतरी तो भैंसासुर घाट (राजघाट) से तुलसीघाट छह किमी तक सड़क के दोनों किनारों पर खड़े काशीवासियों ने दिल खोलकर न सिर्फ उत्साहबर्धन किया, बल्कि कार्यक्रम के कर्ताधर्ता संकट मोचन मंदिर के महंत एवं फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र इस तरह के आयोजन के लिए धन्यवाद भी किया। मैराथन में तीन हजार से अधिक एथलिटों, काशी के आम नागरिकों सहित युवाओं के साथ कई विदेशी भी दौड़े। पहली बार आयोजित मैराथन में शामिल महिलाएं, बच्चे और वरिष्ठ नागरिकों की भागीदारी देखकर गंगा निर्मलीकरण की जागरूकता को काफी बल मिला। मैराथन में दो वर्गों में प्रतिभागी दौड़े। पुरुष वर्ग में प्रथम अभिषेक यादव, 16.10 मिनट, द्वितीय संदीप पाल 16.11 मिनट और तृतीय स्थान-संदीप यादव 16.14.5 मिनट को प्राप्त हुआ। इसी क्रम में महिला वर्ग में प्रथम रेबि पाल (20.20 मिनट), द्वितीय सोनी देवी (20.23 मिनट), व तृतीय साक्षी सिंह (20.58 मिनट) रहीं। इसके साथ ही दोनों वर्गों में 50-50 प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। मैराथन की सबसे बड़ी विशेषता वरिष्ठ नागरिकों की भागीदारी भी रही। उनमें प्रथम गंगा सागर, द्वितीय राजबली, तृतीय वीपी सिंह व चौथे प्यारे लाल रहे। इसके पूर्व मैराथन को भैंसा सुर घाट से आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल, फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र, अंतरराष्ट्रीय धावक नीलू मिश्र, साई के पूर्व फुटबॉल कोच फरमान हैदर, साई के पूर्व एथलीट कोच दिनेश जायसवाल, प्रो. राम मोहन पाठक ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

तुलसीघाट पर आयोजित समापन समारोह में मदर्स फॉर मदर की अध्यक्ष आभा मिश्र ने कहा कि महिलाओं की भूमिका समाज में अहम है। हम गंगा की सफाई के लिए एकजुट हुए हैं। यह कदमों की गति नहीं जन जागरूकता है। फाउंडेशन के निदेशक प्रो. एसएन उपाध्याय ने कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि गंगा से पूरे भारत के लोग जुड़ें। विदेशी भी दौड़े यह बड़ी बात है। प्रदेश के आयुष मंत्री डॉक्टर दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि मां गंगा आज साफ - सुथरी व अविरल है। जनजागृति की देन है कि आज काशी में गंगा साफ है। दिल्ली में यमुना के साफ करने की मुहिम चलाई जा रही है। अमृत सरोवर के तहत पूरे देश में तालाबों का निर्माण व संरक्षण सरकार दे रही है। ऐसे मैराथन की ज्योति जलती रहे।

श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि 2017 में जब प्रदेश का होमगार्ड मंत्री था तब विभाग को गंगा की निर्मलता की पहल की थी जिसका परिणाम आज दिखाई पड़ रहा है। गंगा प्रदूषण मुक्ति के विविध नारे की परिकल्पना को यह मैराथन दौड़ चरितार्थ कर रही है। विशफ वाराणासी फादर जोसफ ने कहा कि मां गंगा की निर्मलता का यह प्रयास और भी विशाल स्तर पर होना चाहिए, इसके लिए हम लोग एकजुट हों। फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. विश्वम्भरनाथ मिश्र ने कहा कि 1997 से मानव श्रृंखला असि से वरुणा तक बनाते आ रहे थे। इस बार नया रूप मैराथन के रूप में सामने लेकर बेटे पुष्करनाथ मिश्र व पुत्री अदिति मिश्र मेरे सामने आए। इसका परिणाम हुआ कि आज पूरा बनारस दौड़ा जो एक बड़ा सकारात्मक संदेश देता है। अब लगता है कि पूरा हिंदुस्तान मां गंगा के लिए दौड़ेगा। गंगा मां के अलावा मानव जीवन की धारा है। मिश्र ने कहा कि मैराथन यह संदेश दे रहा है कि काशी के तीनों खण्ड विश्वेश्वर, विश्वनाथ व केदार इस मैराथन ने कवर किया। विशेष बात यह है कि आरंभिक स्थल संत रविदास मंदिर और समापन संत तुलसीदास की कार्यस्थली पर हुआ है। गंगा में नालों का गिरना शतप्रतिशत बंद हो तो गंगा की निर्मलता के प्रति आज निकाली गई मैराथन दौड़ का संदेश सार्थक हो जाएगा। अभ्यागतों का स्वागत पुष्करनाथ मिश्र व धन्यवाद ज्ञापन अदिति मिश्र ने किया। जबकि संचालन राजेन्द्र दुबे ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रो. एनके दुबे, अशोक पांडेय, गोपाल पांडेय, राजेश मिश्र, अनूप मिश्र टीवीएन के प्रधानाचार्य डॉक्टर एसके श्रीवास्तव, विकास इंटर कालेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर अशोक कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।